■ वैशाख शुक्ल - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 274 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 04-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 स्थानीय खेलों को मिले वैश्विक पहचान : माझी

6 कैप्टन दविंदर सिंह जस: जमों के बावजूद बने साथियों का सहारा, बलिदान से कायम की मिसाल

7 जीवन मूलत: संघर्षों और चुनौतियों की यात्रा : तरूण खन्ना

फर्स्ट टेक

एंथनी अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री चुने गए

मेलबर्न/एपी। एंथनी अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री पद के लिए चुने गए हैं। वह पिछले 21 वर्षों में ऐसी जीत दर्ज करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। विपक्षी नेता पीटर डटन ने शनिवार के चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा, हमने इस (चुनाव प्रचार) अभियान के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, यह आज रात स्पष्ट हो गया है, और मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा, इससे पहले, मैंने प्रधानमंत्री को उनकी सफलता पर बधाई देने के लिए आज फोन किया। यह लेबर पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है।

कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म अगले महीने रिलीज होगी

जयपुर/भाषा। राजस्थान के उदयपुर में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'ज्ञानवापी फाइल्स- ए टेलर मर्डर स्टोरी' 27 जून को रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता अमित जानी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जानी ने मीडिया से कहा, ''यह फिल्म उदयपुर के दर्जी कन्हैया लाल की नृशंस हत्या का नाटकीय पुनर्कथन है। इस घटना ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। उन्होंने कहा कि यह फिल्म इस कांड के पीछे की मानसिकता, संस्थागत कार्रवाई और समाज की चुप्पी पर प्रकाश डालती है। भरत एस. श्रीनेत द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विजय राज और प्रीति झंगियानी जैसे कलाकार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह फिल्म भारत, ब्रिटेन, अमेरिका और दुबई समेत दुनिया भर में 4,500 स्क्रीन पर रिलीज होगी।

केरल के अस्पताल में धुआं निकलने की घटना की विभिन्न एजेंसियां जांच करेंगी

कोझिकोड/नई दिल्ली/भाषा। केरल सरकार ने कोझिकोड के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में धुआं निकलने की घटना की विभिन्न एजेंसियों से जांच कराने के आदेश दिए हैं। अस्पताल में शुक्रवार को धुआं निकलने की घटना के कारण कई मरीजों को वहां से निकाला गया था। विपक्षी दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस घटना को लेकर स्वास्थ्य विभाग की आलोचना की और अस्पताल के एक कमरे से घना धुआं निकलने के बाद हुई पांच मरीजों की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। कोझिकोड में मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि ये मौतें धुएं की घटना से संबंधित हैं या नहीं।

04-05-2025 सूर्यास्त 6:24 बजे	05-05-2025 सूर्योदय 6:46 बजे
BSE 80,501.99 (+259.75)	NSE 24,346.70 (+12.50)
सोना 101,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लातों के भूत

खेल सियासत फेल,
देश ना चलता मन की बातों से।
दिनकर की संतानें करती,
बातें कभी न रातों से।
कभी दरिंदों का रिश्ता,
ना रह पाया है नातों से।
ये लातों के भूत सिर्फ,
मानेंगे तगड़ी लातों से।।

भारत ने पाकिस्तान के साथ डाक सेवा की निलंबित, आयात पर भी प्रतिबंध

पाकिस्तानी जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह उपाय जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत की जवाबी कार्रवाई के तहत किए गए हैं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों को कड़ी सजा देने के संकल्प को दोहराये जाने के साथ साथ निरंतर कठोर निर्णयों से पाकिस्तान की नकेल कस रहे भारत ने शनिवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ़ कई दंडात्मक उपायों की घोषणा की जिनमें पाकिस्तान के साथ डाक सेवाओं को निलंबित करना, उस देश से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माल के आयात पर प्रतिबंध लगाना, और पाकिस्तानी ध्वज वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध शामिल है।

ये उपाय जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत की जवाबी कार्रवाई के तहत किये गये हैं। इस हमले में इस्लामी बंदूकधारियों ने 26 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी थी।

संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि भारत ने हवाई और सड़क मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान से आने वाले सभी श्रेणियों के मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने का निर्णय लिया है।

इससे पहले जहाजरानी महानिदेशालय ने मर्चेंट शिपिंग अधिनियम के तहत एक निर्देश जारी कर पाकिस्तान के ध्वज वाले जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया और भारतीय ध्वज वाले जहाजों को पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जाने से रोक दिया। ये प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भी शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में, तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान से आने या निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के आयात या पारगमन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पाकिस्तानी रेंजर को बीएसएफ ने पकड़ा

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राजस्थान में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास से एक पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी। यह घटनाक्रम जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल के एक जवान को पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा पकड़े जाने के लगभग दस दिन बाद हुआ है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गये थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर को बल की राजस्थान फ्रंटियर ने हिरासत में लिया है।

अरब सागर को लेकर भारत ने वाणिज्यिक जहाजों को नौवहन अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत के समुद्री प्राधिकारियों ने अरब सागर में भारतीय नौसेना के अभ्यास के मद्देनजर वाणिज्यिक जहाजों को सावधानी बरतने के लिए नौवहन अलर्ट जारी किया है। इस विषय से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी। नौवहन अलर्ट ऐसे समय में जारी किया गया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर तनाव बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। समझा जाता है कि उन्होंने समुद्री क्षेत्र की स्थिति के बारे में उन्हें जानकारी दी। बैठक के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। संबंधित विषय से परिचित लोगों ने बताया कि भारतीय नौसेना के अंतर्गत संचालित 'नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस' ने नौवहन अलर्ट जारी किया है। इन लोगों ने बताया कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्यिक जहाजों को अरब सागर के कुछ हिस्सों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

पाकिस्तान ने भारत को दी सिंधु नदी पर बने किसी भी ढांचे को नष्ट करने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

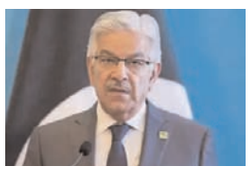

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को चेतावनी दी है कि उनका ''सिंधु जल संधि का उल्लंघन कर'' सिंधु नदी पर बनाए जाने वाले किसी भी ढांचे को नष्ट कर देगा।

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद इस संधि को निलंबित कर दिया है।

शुक्रवार को 'जियो न्यूज' के एक कार्यक्रम में ख्वाजा ने कहा, ''निश्चित रूप से, अगर वे किसी भी तरह की संरचना बनाने का प्रयास करते हैं, तो हम उस पर हमला करेंगे।'' उन्होंने कहा कि सिंधु नदी पर किसी भी तरह की संरचना का निर्माण करना पाकिस्तान के खिलाफ 'भारतीय आक्रामकता' के रूप में देखा जाएगा। ख्वाजा ने कहा, ''आक्रामकता केवल तोप या गोलियां चलाने तक ही सीमित नहीं है। इसके कई रूप हैं। उनमें से एक रूप है (पानी को रोकना या मोड़ना), जिससे भूख और प्यास के कारण मौतें हो सकती हैं। अगर वे कोई संरचना बनाने का प्रयास करते हैं, तो पाकिस्तान उसे नष्ट कर देगा।''

हालांकि, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान फिलहाल इस संबंध में विभिन्न मंचों का रुख करने जा रहा है।

गोवा के मंदिर में उत्सव के दौरान भगदड़ में दो महिलाओं समेत छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। उत्तरी गोवा के एक मंदिर में शनिवार तड़के एक उत्सव के दौरान भगदड़ मचने से दो महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पणजी से लगभग 40 किलोमीटर दूर शिरगांव के श्री लईराई देवी मंदिर में तड़के करीब तीन बजे हुई। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भगदड़ की घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराने की घोषणा की। पुलिस ने बताया कि हजारों श्रद्धालु वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए मंदिर की संकरी गलियों में उमड़ पड़े और इसी दौरान भगदड़ मच गई।

पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छह लोगों की मौत हुई है और कई अन्य लोगों का राज्य के विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है।

अधिकारी ने कहा, इस उत्सव के लिए कम से कम 30,000 से 40,000 लोग एकत्र हुए थे और कुछ लोग एक ढलान पर खड़े थे। ढलान पर कुछ लोग गिर गए जिससे अन्य लोग एक-दूसरे पर गिर गए। उन्होंने बताया कि 40 से 50 लोग ढलान पर गिर गए जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ मच गई। उन्होंने कहा कि यह भगदड़ ढलान वाले स्थान तक सीमित रही।

अधिकारी ने कहा कि उत्सव में शामिल होने के लिए गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु मंदिर में एकत्र हुए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, गोवा के शिरगांव में भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर दुख हुआ। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। मैं शोकसंतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी उत्तरी गोवा जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की।

भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

मोदी ने अंगोला के रक्षा बलों के लिए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता की घोषणा भी की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर एक बार फिर भारत के कठोर रुख की पुष्टि करते हुए शनिवार को कहा कि देश आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने यह घोषणा चार दिवसीय यात्रा पर भारत आए अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लॉरेन्को के साथ चर्चा के बाद की। उन्होंने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ एवं निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव है तथा प्रधानमंत्री मोदी आतंकवादियों और उनके समर्थकों को दंडित करने की बात कह चुके हैं। बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने सहित पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। इसी क्रम में भारत ने आज हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान के साथ सभी श्रेणियों की डाक और पार्सल सेवा बंद करने का निर्णय किया। सेवाओं को स्थगित करने का आदेश डाक विभाग द्वारा जारी किया गया, जो संचार मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

लॉरेन्को के साथ मुलाकात में मोदी ने अंगोला के रक्षा बलों के लिए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता की घोषणा भी की। उन्होंने कहा, मुझे अंगोला के रक्षा बलों के आधुनिकीकरण के लिए भारत की 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रक्षा ऋण सहायता की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि रक्षा उपकरणों की आपूर्ति पर भी चर्चा हुई।

मोदी ने कहा कि भारत जन-उपयोगी डिजिटल अवसंरचना, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में भी अंगोला के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेगा। उन्होंने कहा, हमने स्वास्थ्य सेवा, हीरा प्रसंस्करण, उर्वरक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में अपने संबंधों को और मजबूत करने का भी निर्णय लिया है।

मोदी ने भारत और अफ्रीकी संघ के संबंधों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, हम प्रगति में साझेदार हैं, हम 'ग्लोबल साउथ' के आधार हैं।

'ग्लोबल साउथ' का अभिप्राय विकासशील और अल्प-विकसित देशों से है जो अधिकतर दक्षिणी गोलार्ध में स्थित हैं।

कृष्णा राजा सागर बांध के पास कावेरी आरती होगी: शिवकुमार

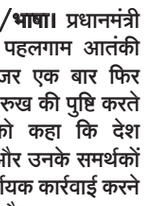

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वाराणसी की गंगा आरती की तर्ज पर मांड्या जिले में कृष्णा राजा सागर बांध के पास होने वाली कावेरी आरती धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाएगी। सरकार का लक्ष्य दशहरा तक इस कार्यक्रम को शुरू करना है और वह लगभग 10,000 लोगों के आरती देखने के लिए व्यवस्था करने की योजना बना रही है। शिवकुमार जल संसाधन विभाग के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कावेरी आरती के आयोजन पर चर्चा करने के लिए पर्यटन मंत्री एच. के. पाटिल, धार्मिक बंदोबस्ती मंत्री रामलिंगा रेड्डी, कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगदागी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। उन्होंने कहा, ''तैयारियां की जा रही हैं। कावेरी आरती केवल कर्नाटक तक सीमित नहीं है, हम तमिलनाडु और केरल की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को भी इसमें शामिल करने की योजना बना रहे हैं। हमने इस बात पर भी चर्चा की कि इसे सप्ताह में कितने दिन आयोजित किया जाना चाहिए और पूजा अनुष्ठानों का प्रारूप क्या होना चाहिए।''

मणिपुर में हिंसा नहीं रुकी, राजधर्म निभाने में प्रधानमंत्री विफल : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर में हिंसा की शुरुआत के दो साल पूरे होने पर शनिवार को दावा किया कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में आज भी हिंसक घटनाएं नहीं रुकी हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजधर्म निभाने में एक बार फिर विफल रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि मणिपुर के लोगों के प्रति इतनी उदासीनता और तिरस्कार क्यों है तथा राजनीतिक जवाबदेही कहां है?

मणिपुर में तीन मई, 2023 को हिंसा शुरू हुई थी। इस हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मणिपुर में दो साल से हिंसा हो रही है, लेकिन प्रधानमंत्री के पैर वहां नहीं पड़े। हिंसा तीन मई, 2023 को शुरू हुई और अब भी जारी है। अभी दो दिन पहले ही तामेंगलांग जिले में हुई हिंसक झड़प में 25 लोग घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 68,000 लोग विस्थापित हुए हैं तथा हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में रह रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, नरेन्द्र मोदी जी, मणिपुर आपकी यात्रा, शांति और सामान्य स्थिति की वापसी का इंतजार कर रहा है। उन्होंने दावा किया, जनवरी, 2022 में मणिपुर में आपकी आखिरी चुनावी रैली के बाद से आपने दुनिया भर में 44 विदेशी दौरे और देश भर में 250 घरेलू दौरे किए हैं, फिर भी आपने मणिपुर में एक सेकंड भी नहीं बिताया है।

खरगे ने सवाल किया, मणिपुर के लोगों के प्रति इतनी उदासीनता और तिरस्कार क्यों? राजनीतिक जवाबदेही कहां है?'' उन्होंने कहा कि मणिपुर की जनता ने खुद राष्ट्रपति शासन की मांग की, लेकिन जब भाजपा को कांग्रेस पार्टी द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा और प्रधानमंत्री की पार्टी के विधायक नया मुख्यमंत्री तय नहीं कर सके तो 20 महीने बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को हटाने मांग मानने के लिए प्रधानमंत्री को मजबूर होना पड़ा।

खरगे ने प्रधानमंत्री से सवाल किया, डबल इंजन सरकार अपने नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के अपने संवैधानिक कर्तव्य में विफल क्यों रही? आपने पहले मुख्यमंत्री को बर्खास्त क्यों नहीं किया?''

पुराने वाहनों को तेजी से हटाने की जरूरत : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को वायु प्रदूषण पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि पुराने वाहनों को तेजी से हटाने की जरूरत है।

धनखड़ ने यहां आज नई दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन फॉर ब्रोंकोलॉजी के 27वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ता वायु प्रदूषण पर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक देखना चाहिए और इस पर चिंतन करना चाहिए। वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर चिंता का विषय है। इसके निवारण के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक ऐसा विषय है इसके के बारे में तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। इस संकट ने अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। मानव समाज कोई समझना चाहिए की रहने के लिए दूसरा ग्रह उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा की जलवायु परिवर्तन से निपटने की प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है और इसे पूरा करना होगा।

धनखड़ ने जोर देकर कहा कि हमें पुराने वाहनों को तेजी से खत्म करने की जरूरत है। लोगों को यह समझना होगा कि पुराने वाहनों को हमारे स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से त्यागना होगा। सिर्फ इसलिए कि कोई पुराना वाहन सड़क पर चल रहा है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह सड़क पर चलने लायक है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का प्रयोग गर्व का विषय होना चाहिए।

चिकित्सा ज्ञान के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि चिकित्सा को डेटा विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, इंजीनियरिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ जोड़ना चाहिए।

सहज स्मृति योग

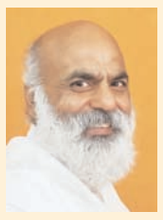

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्नः गुरुजी, ग्रंथों और गुरुओं से ऐसा सुना है कि साधक ब्रह्म ज्ञानी होने पर ब्रह्म ही हो जाता है। मेरा प्रश्न यही है कि क्या कोई साधक एक बार ब्रह्म ज्ञानी होने जाने के उपरांत फिर से चैतन्य की निचली अवस्थाओं में पतित हो सकता है ?

उत्तरः पतित होना अर्थात गिरना। पर इसके अतिरिक्त पतित का एक और अर्थ होता है 'वह जिसके भरोसे की रक्षा की जा रही हो'! किंतु पॉप्युलर पब्लिक परसेप्शन में पतित शब्द का आशय गिरावट के अर्थ में ही लिया जाता है। अतः आप पतित के स्थान पर 'अवतरित' शब्द प्रयोग करेंगे तो आपको समझने में आसानी होगी। अवतरण भी तत्वतः गिरना ही है किंतु कुछ गरिमा के साथ। तो ब्रह्म ज्ञानी का या ब्रह्म का भी अवतरण/ पतन होता है। इसे ही लीला कहा जाता है। क्योंकि, उससे उसके अपने यथार्थ स्वरूप की स्मृति लुप्त नहीं होती।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर में एआई डेटा सेंटर पार्क का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राज्य के नवा रायपुर अटल नगर में एआई डेटा सेंटर पार्क का शिलान्यास किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि साय ने नवा रायपुर के सेक्टर-22 में देश के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डेटा सेंटर पार्क की नींव रखी। उन्होंने बताया कि यह डेटा सेंटर पार्क 13.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जिसमें 2.7 हेक्टेयर हिस्सा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के रूप में विकसित होगा। अधिकारियों ने बताया कि रैक बैंक डेटा सेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित यह परियोजना पूरी तरह एआई सेवाओं को समर्पित होगी और पहले चरण में इसकी क्षमता पांच मेगावाट होगी जो बढ़ाकर 150 मेगावाट तक ले जाई जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में इस परियोजना में लगभग दो हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश होने की संभावना है और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस डेटा सेंटर को हरित व ऊर्जा दक्ष तकनीक के अनुरूप डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि यहां से न केवल स्टोरेज और प्रोसेसिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), हेल्थटेक, डिफेंस, फिनटेक और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक सेवाएं भी दी जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि पार्क में जीपीयू आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिकॉर्डिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग और एआई प्रोसेसिंग जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से रोजगार के लगभग पांच सौ प्रत्यक्ष और 1500 अप्रत्यक्ष अवसर तैयार होंगे और इसमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में नई उद्योग नीति के कारण कम समय में ही देश विदेश से उद्योग यहां आ रहे हैं, यही गति रही तो बहुत जल्द विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का निर्माण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वर्ष छत्तीसगढ़ की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है, हमारी कोशिश रहेगी कि इसी साल स्थापना दिवस पर डेटा सेंटर का लोकार्पण हो जाये। साय ने एआई डेटा सेंटर की स्थापना करने जा रहे मेसर्स रैक बैंक प्रबंधन के प्रति बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एआई डेटा सेंटर छत्तीसगढ़ के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति लेकर आया है। यह हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जय विज्ञान, जय अनुसंधान के मंत्र को साकार करेगा और विकसित छत्तीसगढ़ की बुनियाद बनेगा।

फारूक अब्दुल्ला का पहलगाम जैसे हमलों के दोषियों के खिलाफ खड़े होने का जम्मू कश्मीर के लोगों से आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतनाग/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर के लोगों से प्रगति और समृद्धि के लिए पहलगाम जैसे हमलों के अपराधियों के खिलाफ खड़े होने का शनिवार को आग्रह किया और कहा कि 22 अप्रैल के नरसंहार के पीछे जो लोग हैं, उन्हें ''जहन्नुम में सड़ना होगा।

पूर्ववर्ती राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर जिले के हपतनार में आदिल हुसैन शाह के घर पहुंचे, जो एक टट्टू चालक था और आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले 26 व्यक्तियों में से एक था। अब्दुल्ला ने कहा, वह (शाह) शहीद हैं। उन्होंने अपनी जान कुर्बान कर दी, वह दरिंदों की बंदूकों से नहीं डरे। यह 'इंसानियत' है, यह कश्मीरियत है। जो डर गया वह मर गया। उन्होंने कहा, हमें उनसे (आतंकवादियों से) लड़ना है और हिम्मत के साथ उनसे लड़ना है। जब तक हम उनसे नहीं लड़ेंगे, हम कभी खुश और समृद्ध नहीं हो सकते और हम कभी आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए, हमें हिम्मत रखनी चाहिए। हालांकि, अब्दुल्ला ने हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हमारे प्रधानमंत्री ऐसा कोई फैसला लेंगे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो-जरदारी की धमकी भरी टिप्पणी पर अब्दुल्ला ने कहा, वह (भुट्टो) बयान जारी करते रहेंगे... अगर हम उनके बयानों की परवाह करेंगे, तो हम आगे नहीं बढ़ सकते।

स्मार्टफोन, टैबलेट के लिए मरम्मत सूचकांक बनेगा, उपभोक्ताओं को खरीदारी में मिलेगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्मार्टफोन और टैबलेट की मरम्मत में उपभोक्ताओं को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सरकार द्वारा गठित एक समिति ने सिफारिश की है कि मूल उपकरण निर्माता इस उत्पाद श्रेणी में मरम्मत क्षमता सूचकांक की खुद घोषणा करें, ताकि ग्राहकों को इस बारे में पूरी जानकारी मिल सके।

समिति के सुझावों के अनुसार विनिर्माताओं को इस सूचकांक पर उपकरणों को रेटिंग देनी होगी। इससे पता चलेगा कि उपकरण के खराब होने पर उसकी मरम्मत की संभावना कितनी है।

एक आधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया कि मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में मरम्मत क्षमता सूचकांक के लिए गठित समिति ने उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। खरे ने पहले कहा था कि मंत्रालय सिफारिशों की जांच करेगा और उसके अनुसार कुछ दिशानिर्देश जारी करेगा।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सितंबर 2024 में अतिरिक्त सचिव भरत खेड़ा की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था।

समिति ने कहा कि मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को बिना किसी अतिरिक्त अनुपालन बोझ के मानक अंक मानदंडों के आधार पर मरम्मत क्षमता सूचकांक की घोषणा करनी होगा।

इसके अलावा, समिति ने सुझाव दिया कि मरम्मत क्षमता सूचकांक को दुकानों, ई-कॉमर्स मंचों और उत्पादों पर क्यूआर कोड के रूप में दर्शाना चाहिए।

बयान में कहा गया कि समिति की सिफारिशें उद्योग में नवाचार और कारोबारी सुगमता में किसी भी बाधा के बिना सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के अनुसार तैयार की गई हैं।

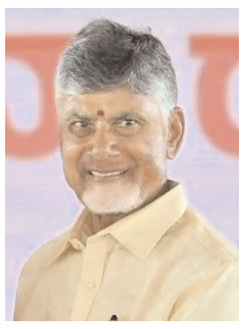

केंद्र की जाति जनगणना कराने की घोषणा तेलंगाना की जीत : उप मुख्यमंत्री विक्रमार्क

हैदराबाद/भाषा। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को कहा कि जाति जनगणना कराने की केंद्र की घोषणा तेलंगाना सरकार और कांग्रेस द्वारा डाले गए दबाव का परिणाम है और यह राज्य के लोगों की जीत है।

उन्होंने खम्मम में एक सम्मान समारोह में कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के निर्देशों के तहत कार्य करते हुए तेलंगाना सरकार ने जाति जनगणना को बिना किसी त्रुटि के सावधानीपूर्वक पूरा किया।

विक्रमार्क ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 1930 के बाद से भारत में कोई जाति जनगणना नहीं हुई थी और तेलंगाना की पहल स्वतंत्रता के बाद पहला सफल प्रयास था। उपमुख्यमंत्री ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि इस तरह का सर्वेक्षण करना एक जटिल कार्य था, लेकिन उन्होंने और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा पूरे मंत्रिमंडल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और 50-55 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी कर ली।

उन्होंने कहा, तेलंगाना की जनता की सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से जाति जनगणना की है, जिससे राज्य पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गया है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद केवल तेलंगाना में ही बिना किसी आपत्ति के इतनी व्यापक जाति जनगणना सफलतापूर्वक की गई थी। राज्य सरकार ने इस जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों को अपने नीति-निर्माण निर्णयों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

अमरावती पुनर्निर्माण उद्घाटन कार्यक्रमः
मुख्यमंत्री नायडू ने लोगों का आभार जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमरावती पुनर्निर्माण समेत कई परियोजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शनिवार को सभी का धन्यवाद दिया।

मोदी ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में 58,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें नए राजधानी शहर अमरावती का निर्माण फिर से शुरू करना भी शामिल है। अमरावती आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्रियों, अधिकारियों, किसानों, मीडिया और अन्य लोगों का आभार जताया। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमरावती पुनर्निर्माण समेत में अन्य परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम को सफल बनाने वाले लोगों को धन्यवाद अदा करता हूं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने तेदेपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार में लोगों द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का वादा किया और कहा कि अमरावती एक शक्तिशाली स्थान के रूप में उभरेगा।

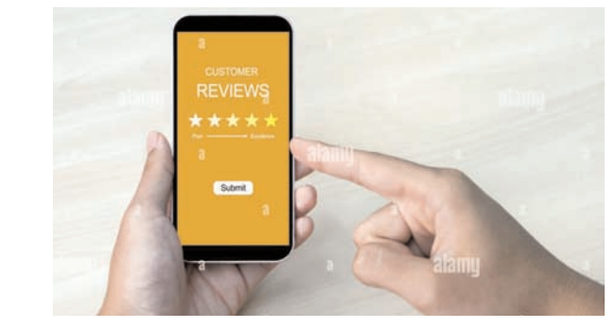

वडोदरा में एक्सप्रेस ट्रेन से 1,283 किलोग्राम 'बीफ' जब्त, दो लोगों पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। गुजरात पुलिस ने वडोदरा रेलवे स्टेशन पर मुंबई जाने वाली एक एक्सप्रेस ट्रेन के 'पार्सल यान' में ले जाया जा रहा 1,283 किलोग्राम 'बीफ' जब्त किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह 'बीफ' बुधवार शाम को 'गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस' से जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पश्चिमी रेलवे, वडोदरा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) सरोज कुमारी ने बताया कि पंजाब के अमृतसर से लाए जा रहे 1,283 किलोग्राम मांस से भरे 16 'पार्सल' को ट्रेन से जब्त कर लिया गया और फोरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा मांस के 'बीफ' होने की पुष्टि किए जाने के बाद शुक्रवार शाम दो व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पार्सल भेजने वाले विजय सिंह और प्राप्तकर्ता जाफर शब्बीर के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं और भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 (पशु को मारने, जहर देने, अंगभंग करने या उसे बेकार करने के अपराध से निपटना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। वडोदरा रेलवे पुलिस ने कहा कि उन्हें ट्रेन में प्रतिबंधित मांस ले जाए जाने की सूचना मिली थी। इसमें कहा गया है कि जब्ती के बाद नमूनों को सूरत न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला में फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया।

सामाजिक भेदभाव मिटाने का माध्यम है यूसीसीः पुष्कर सिंह धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को युवाओं से उत्तराखंड समान नागरिक संहिता अधिनियम के बारे में फैलाये जा रहे ''झूठ'' का आगे बढ़कर मुकाबला करने का आग्रह किया। उन्होंने इसे जाति, धर्म और लैंगिक आधार पर भेदभाव मिटाने के लिए एक ''संवैधानिक माध्यम'' करार दिया।

धामी ने संहिता के तहत 'सह-जीवन (लिव-इन)' रिश्तों के अनिवार्य पंजीकरण के प्रावधान को सही ठहराने का प्रयास किया, जिसे अदालतों में कई चुनौतियां दी गई हैं। यह अवधारणा एक समकालीन वास्तविकता है और सदियों पुरानी भारतीय संस्कृति का हिस्सा नहीं है। धामी ने कहा कि 'सह-जीवन' जोड़ों के लिए यह प्रावधान केवल उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए है। उन्होंने 2022 में दिल्ली में श्रद्धा वाकर की उसके 'सह-जीवन साथी' द्वारा की गई नृशंस हत्या का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे संबंध बदसूरत मोड़ ले सकते हैं। हरिद्वार में देव संस्कृति विवि में यूसीसी अधिनियम पर एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और जिम्मेदारियां सुनिश्चित करते हुए समाज में एकरूपता लाने के उद्देश्य से कानून को लागू करना जनसंघ के दिनों से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वैचारिक प्रतिबद्धता रही है। उन्होंने कहा, यह एक आवश्यक सुधार है, जिससे पूरे समाज को लाभ होगा। यह किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ नहीं है और न ही किसी को निशाना बनाता है। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं के संपत्ति उत्तराधिकार अधिकारों की रक्षा करता है और 'सह-जीवन' संबंध से पैदा हुए बच्चों के अपने पिता की संपत्ति पर अधिकारों की भी रक्षा करता है। धामी ने कहा कि यह 'हलाला, इद्दत, बहुविवाह और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करके महिलाओं को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा, लेकिन कुछ लोग तरह-तरह के झूठ फैला रहे हैं, जिनमें से एक यह है कि यूसीसी वेबसाइट पर पंजीकरण से बाहरी लोगों को निवास प्रमाण पत्र प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह सरासर झूठ है, कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। धामी ने निजी विश्वविद्यालय देव संस्कृति विश्वविद्यालय में कार्यशाला में उपस्थित युवाओं से कानून के बारे में फैलायी जा रही गलत धारणाओं को खत्म करने में सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा, जैसे उत्तराखंड से गंगा निकलती है और देश को जीवन देती है, वैसे ही इस राज्य में निकली यूसीसी की गंगोत्री से पूरा भारत लाभान्वित होगा। उत्तराखंड ने 27 जनवरी को यूसीसी अधिनियम को लागू किया और ऐसा करने वाला वह देश का पहला राज्य बन गया। यूसीसी कई वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के एजेंडे में रहा है।

हालांकि पिछले साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उत्तराखंड में पार्टी की सरकार इसे लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने वाली पहली सरकार बन गई। अब उत्तराखंड का यूसीसी अधिनियम अन्य भाजपा शासित राज्यों के लिए इसी तरह का कानून बनाने के लिए एक आदर्श के रूप में काम कर सकता है। उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में इस कानून पर संगोष्ठी आयोजित की जाएंगी और तीन महीने में पांच लाख छात्रों को इसके लाभों के बारे में जानकारी देने का लक्ष्य रखा गया है।

80,000 करोड़ रु. के जीएसटी बकाया का समाधान करने की जरूरतः रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विवादों और अन्य कारणों से दिल्ली सरकार का 80,000 करोड़ रुपए का जीएसटी बकाया लंबित है, जिसे हल करने की जरूरत है। उन्होंने साथ ही जीएसटी प्रणाली को 'फेसलेस' और पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के कार्यक्रम में गुप्ता ने कहा कि उन्होंने जीएसटी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर व्यवसायी पहले से ही अदालत में पेश हो रहे हैं तो उन्हें अपने कार्यालयों में न बुलाया जाए। हमारी प्रणाली को फेसलेस बनाएं। कर को परेशानी मुक्त तरीके से एकत्र करना चाहिए। उन्होंने कर विवादों को सुलझाने और आर्थिक वृद्धि में योगदान देने के लिए सनदी लेखाकारों (सीए) की तारीफ की। लंबित जीएसटी बकाया का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, केवल सीए समुदाय ही इन सभी मुद्दों को सुलझाने में मदद कर सकता है।

पंजाब के युवकों के लिए फर्जी शेंगेन वीजा का इंतजाम करने वाला 'एजेंट' गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के 29 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर पंजाब के दो यात्रियों को रोम के रास्ते अवैध रूप से स्वीडन की यात्रा करने के लिए फर्जी 'शेंगेन वीजा' हासिल करने में कथित रूप से मदद करने का आरोप है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभिनेश सक्सेना को दो यात्रियों को जाली पासपोर्ट देने के आरोप में हिरासत में लिया गया है, जिन्हें दोहा के रास्ते रोम जाने वाली उड़ान में सवार होने का प्रयास करते समय हवाई अड्डे पर रोका गया था। शेंगेन वीजा यूरोप के कुछ देशों में अल्पावधि के लिए दिया जाता है।

दोनों यात्री अपने एक रिश्तेदार के माध्यम से लल्ली नामक एजेंट के संपर्क में आए थे, जिसने उनके यात्रा दस्तावेजों और टिकटों की व्यवस्था के लिए कथित तौर पर 31 लाख रुपए की मांग की थी।

उनके निर्देश पर अभिनेश ने दोनों के रवाना होने से पहले दिल्ली के महिपालपुर स्थित एक होटल में फर्जी दस्तावेज पहुंचा दिए। अधिकारी ने बताया कि यात्रियों की पहचान 18 वर्षीय तरनवीर सिंह और 20 वर्षीय गगनदीप सिंह के रूप में हुई है और दोनों पंजाब के होशियारपुर के निवासी हैं। अप्रैल महीने में 21-22 तारीख की मध्य रात्रि को वे आईजीआई हवाई अड्डे पर निकासी के लिए आव्रजन डेस्क पर थे, जहां उन्हें हिरासत में ले लिया गया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (आईजीआई) उषा रंगनानी ने कहा, जांच के दौरान आव्रजन अधिकारियों ने पाया कि उनके भारतीय पासपोर्ट पर लगे शेंगेन वीजा नकली थे। उन्होंने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पासपोर्ट अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिस को बताया कि वे रिश्ते के भाई हैं और अपने रिश्तेदारों के पास स्वीडन जाने की कोशिश कर रहे थे। दोनों ने बताया कि उनके रिश्तेदार बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश में पहले ही वहां (स्वीडन) चले गए थे। पंजाब में लल्ली का पता लगाने के लिए कई छापे मारे गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। तकनीकी निगरानी से सक्सेना का पता लगाने में मदद मिली, जिसे दिल्ली में एक ठिकाने से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान सक्सेना ने अपनी संलिप्तता कबूल कर ली और बताया कि वह 2022 से लल्ली के साथ काम कर रहा था। उसने अवैध रूप से विदेश जाने के इच्छुक लोगों के लिए फर्जी वीजा और यात्रा दस्तावेजों की व्यवस्था करने की बात स्वीकार की। लल्ली को गिरफ्तार करने और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

प्रणव अदाणी के खिलाफ आरोप पर कांग्रेस ने कहाः क्या कानूनी कार्रवाई करेगी सेबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने उद्योगपति गौतम अदाणी के भतीजे प्रणव अदाणी के खिलाफ 'इनसाइडर ट्रेडिंग' के आरोप संबंधी एक खबर का हवाला देते हुए शनिवार को पूछा कि क्या भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए उनपर मुकदमा चलाएगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रणव अदाणी ने अपने रिश्तेदार के साथ अप्रकाशित गोपनीय वित्तीय जानकारी साझा की, जिसके चलते 90 लाख रुपए का 'गलत लाभ' हुआ। उन्होंने जिस खबर का हवाला दिया, उसी में प्रणव अदाणी हवाले से कहा गया है कि उन्होंने किसी प्रतिभूति कानून का उल्लंघन नहीं किया है।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मोदाणी मामला खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। हाल ही में गौतम अदाणी के भतीजे, जो अदाणी समूह की कई कंपनियों में निदेशक हैं, उनपर इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप लगा है।

आरोप यह है कि उन्होंने अपने रिश्तेदार के साथ अप्रकाशित गोपनीय वित्तीय जानकारी साझा की, जिसके चलते 90 लाख रुपए का 'गलत लाभ' हुआ। उन्होंने सवाल किया कि क्या सेबी एक बार फिर प्रधानमंत्री के पसंदीदा कारोबारी समूह को हल्के में छोड़ देगा या फिर मामले में पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए मुकदमा चलाएगा?

रमेश ने कहा, इस बीच, भारत की जनता अब भी इंतजार कर रही है कि सेबी अदाणी समूह के खिलाफ 24 मामलों में प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन की जांच पूरी करे। उच्चतम न्यायालय द्वारा हिंडनबर्ग खुलासों के बाद सेबी को जांच पूरी करने का निर्देश दिए 26 महीने बीत चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की प्रतिभूति नियामक संस्था, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन'' (एसईसी) इस मामले में काफी सक्रिय है।

रमेश ने आरोप लगाया कि 25 अप्रैल 2025 तक की जानकारी के अनुसार, मोदी सरकार एसईसी की सहायता करने में विफल रही है।

बालाकोट हमले पर चन्नी के सवाल उठाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस को 'पाकिस्तान कार्यसमिति' कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद बालाकोट में किए गए हवाई हमले की प्रमाणिकता पर सवाल उठाने संबंधी कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी को लेकर विपक्षी दल की शनिवार को आलोचना की और कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को बार-बार ''ऑक्सीजन'' मुहैया करा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, बाहर से यह कांग्रेस कार्यसमिति है, लेकिन भीतर से यह पाकिस्तान कार्यसमिति की तरह काम करती है। पात्रा ने कहा कि कांग्रेस में यह चलन बन गया है कि इसके प्रस्ताव एवं इसका नेतृत्व किसी और स्वर में बोलते हैं, जबकि इसके कई अन्य नेता किसी और सुर में बात करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में पाकिस्तान समर्थक नेता भरे पड़े हैं जो भारत के हितों के खिलाफ बयान देते हैं। उन्होंने कांग्रेस के उस पत्र को लेकर उपहास किया जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों को इस मुद्दे पर पार्टी के आधिकारिक रुख के अनुसार काम करने की सलाह दी गई है।

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र से आग्रह किया गया कि वह आतंकवाद का लगातार समर्थन करते रहे पाकिस्तान को दंडित करने के वास्ते दृढ़ता से काम करे। पात्रा ने कहा कि सीडब्ल्यूसी द्वारा प्रस्ताव पारित किए जाने के तुरंत बाद चन्नी ने एक ''समानांतर'' संवाददाता सम्मेलन किया जिसमें उन्होंने 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद बालाकोट में किए गए भारत के हवाई हमले की वास्तविकता पर सवाल उठाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, कांग्रेस पाकिस्तानी सेना एवं आतंकवादियों को ऑक्सीजन देने तथा उनका मनोबल बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ती।

चन्नी ने पुलवामा हमले का जिक्र करते हुए कहा था कि 40 भारतीय सैनिक मारे गए और सरकार ने चुनाव आने पर कार्रवाई का दावा किया। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था, लेकिन हमने कभी नहीं देखा कि पाकिस्तान में कहां हमले किए गए और कहां लोग मारे गए।

द्रमुक ने 'प्रतिशोध की राजनीति' के लिए ईडी जैसी ए'जेंसियों के दुरुपयोग' की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की निंदा करते हुए उस पर ''प्रतिशोध की राजनीति'' के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। द्रमुक ने इसका कानूनी रूप से सामना करने तथा मुद्दे को जनता की अदालत में ले जाने का संकल्प लिया।

द्रमुक अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अध्यक्षता में पार्टी के जिला सचिवों की बैठक में पार्टी ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया, जिला पार्टी सचिवों की यह बैठक केंद्र की भाजपा सरकार की कड़ी निंदा करती है, जो अघोषित आपातकाल की स्थिति उत्पन्न कर रही है। द्रमुक ने इस स्थिति के लिए सत्ता के कथित दुरुपयोग को कारण बताया।

द्रमुक ने दावा किया कि सत्ता का दुरुपयोग द्रमुक शासित तमिलनाडु समेत विपक्ष शासित राज्यों में आयकर और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)की छापेमारी के माध्यम से हुआ। उसने केंद्र सरकार पर न्यायपालिका समेत सभी स्वायत्त संस्थानों की स्वतंत्रता का हनन करने का आरोप लगाया। बैठक को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रमुक ने अपने सफर में कई चुनौतियों का सामना किया है और जो लोग राजनीतिक रूप से पार्टी को हरा नहीं सकते, वे धमकाने की रणनीति अपनाते हैं।

स्टालिन ने कहा, इसलिए, ''हमें भाजपा की धमकियों का राजनीतिक रूप से सामना करना चाहिए।'' बैठक में पिछले चार वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार की उपलब्धियों से जनता को अवगत करने के लिए राज्य भर में 1,244 स्थानों पर जनसभाएं करने का निर्णय लिया गया। प्रस्ताव में द्रमुक ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), ईडी और कर विभाग को निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए लेकिन भाजपा सरकार के चलते इन संस्थानों को ''राजनीतिक प्रतिशोध'' को लेकर अदालतों की आलोचना झेलने को मजबूर होना पड़ा है।

इसके अलावा, द्रमुक ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियों को भाजपा के साथ गठबंधन करने के लिए डराने-धमकाने के लिए अपनी एजेंसियों का दुरुपयोग किया है।

तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने इन केंद्रीय एजेंसियों में भ्रष्टाचार की कथित तौर पर निंदा की है। द्रमुक की बैठक में कहा गया कि वह ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा पार्टी के नेताओं के खिलाफ बदले की कार्रवाई का कानूनी रूप से साहस के साथ सामना करेगी। इसके अलावा, बैठक में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा ''सत्ता के दुरुपयोग'' के बारे में लोगों को अवगत कराने का फैसला किया गया तथा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों से मुकाबला करने का संकल्प जताया गया।

के. पोनमुडी और वी सेंथिल बालाजी समेत द्रमुक नेता अलग-अलग मामलों के सिलसिले में ईडी की जांच के घेरे में हैं। प्रस्ताव में पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की मौत और हाल ही में पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। साथ ही, पार्टी ने एक जून को मदुरै में अपनी अगली आम परिषद की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया।

चेन्नई से आए विमान में पहलगाम हमले के संदिग्ध की तलाश की गई : श्रीलंकाई पुलिस

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंकाई पुलिस ने शनिवार को चेन्नई से कोलंबो आ रहे एक विमान की तलाशी ली, क्योंकि उसे सूचना मिली थी कि पहलगाम आतंकवादी हमले से जुड़ा एक संदिग्ध विमान में सवार हो सकता है। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय विमानन कंपनी श्रीलंकन एयरलाइंस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उसका विमान चेन्नई से कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11:59 बजे पहुंचा और आगमन पर उसकी व्यापक सुरक्षा जांच की गई। बयान में कहा गया, ''भारत में वांछित एक संदिग्ध के बारे में चेन्नई क्षेत्र नियंत्रण केंद्र द्वारा अलर्ट किये जाने के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर तलाशी ली गई, क्योंकि माना जा रहा था कि वह जहाज पर सवार है।''

बयान में कहा गया कि विमान की गहन जांच की गई और बाद में उसे आगे के परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। भारतीय अधिकारियों ने पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार पांच आतंकवादियों की पहचान की है, जिनमें तीन पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल को पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों और इसकी साजिश में संलिप्त लोगों को उनकी कल्पना से परे दंडित करने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मनों ने न केवल निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाया, बल्कि भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया।

इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़कर 2,956 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़कर 2,956 करोड़ रुपये हो गया। फंसा कर्ज कम होने और मूल आय बढ़ने से बैंक का लाभ बढ़ा है। वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसका मुनाफा 2,247 करोड़ रुपये रहा था।

इंडियन बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मार्च तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 18,599 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 16,887 करोड़ रुपये थी।

बैंक की ब्याज आय मार्च तिमाही में बढ़कर 15,856 करोड़ रुपये हो गई, जो 2023-24 की समान तिमाही में 14,624 करोड़ रुपये थी।

इंडियन बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) छह प्रतिशत बढ़कर 6,389 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 6,015 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) मार्च 2025 के अंत तक घटकर सकल कर्ज का 3.09 प्रतिशत रह गईं, जो मार्च, 2024 के अंत में 3.95 प्रतिशत थी। इसी तरह, शुद्ध एनपीए मार्च, 2025 में कम होकर शुद्ध अग्रिमों के 0.19 प्रतिशत पर आ गया, जो मार्च, 2024 में 0.43 प्रतिशत था।

बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआई) मार्च तिमाही के अंत में बढ़कर 17.94 प्रतिशत हो गया, जो वित्त वर्ष 2024 के अंत में 16.44 प्रतिशत था। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, बैंक का शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,918 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 8,063 करोड़ रुपये था।

पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में बैंक की कुल आय बढ़कर 71,226 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 63,482 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 25,176 करोड़ रुपये हो गई, जो 2023-24 में 23,274 करोड़ रुपये थी। मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध ब्याज मार्जिन 3.51 प्रतिशत रहा। बैंक के निदेशक मंडल ने 2024-25 के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 16.25 पैसे का लाभांश देने की सिफारिश की है, जिस पर आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी ली जानी है।

शैव सिद्धांत ने भक्ति-सदाचार के माध्यम से तमिल पहचान को आकार दिया : नड्डा

चेन्नई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि तमिल धरती में गहराई से निहित शैव सिद्धांत ने भक्ति, सदाचार और दैवीय कृपा से मुक्ति पर जोर देकर तमिल पहचान को आकार दिया है। नड्डा ने कहा कि शैव सिद्धांत महज एक धार्मिक दर्शन नहीं है बल्कि यह एक सभ्यतागत सिद्धांत है जो आत्मा, परमात्मा और जगत के बीच पवित्र संबंध की शिक्षा देता है।

उन्होंने यहां कट्टनकुलथुर में तिरुकायिलया परम्परा धर्मपुरम अधीनम के अंतरराष्ट्रीय शैव सिद्धांत अनुसंधान संस्थान, धर्मपुरम और एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय शैव सिद्धांत सम्मेलन का उद्घाटन किया। तमिलनाडु पवित्र भूमि है और संगम कवियों तथा शैव संतों ने इस दर्शन को पोषित किया। थेवरम और थिरुवसगम को प्रतिदिन बहुत जोश के साथ गाया जाता था, जो हमारे पूर्वजों की शाश्वत भक्ति को प्रतिध्वनित करता था। नड्डा ने कहा, ''संत अप्पार, सुंदरार और तिरुग्ञना संबंदर द्वारा रचित पवित्र थेवरम (तमिल भक्ति भजन) दिव्यता की ओर ले जाता है और मणिकवसागर द्वारा रचित पवित्र तिरुवासगम (शैव सिद्धांत का पवित्र संकलन) कठोरतम हृदय को भी पिघला देता है।'' नड्डा ने शिक्षा और आध्यात्मिकता में योगदान के लिए एसआरएम विवि के संस्थापक-कुलाधिपति टी आर पारिवेंधर की सराहना की। उन्होंने सम्मेलन के आयोजन के लिए धर्मपुरम अधीनम को भी धन्यवाद दिया।

नड्डा ने तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारियों की समीक्षा की

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा ने 2026 में तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को पार्टी की तमिलनाडु इकाई की तैयारियों की समीक्षा की। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि नड्डा ने शहर के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान यहां आयोजित राज्य कोर ग्रुप की बैठक में भाग लिया और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने और पार्टी के संगठनात्मक कार्य को भी आगे बढ़ाने की सलाह दी। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख और विधायक दल के नेता नैनार नागेंथिरन की अध्यक्षता में हुई बैठक में तमिलनाडु मामलों के राष्ट्रीय सह-प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी, राज्य इकाई के सह-संयोजक एच राजा, राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष और विधायक वनाथी श्रीनिवासन और पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष: पोन राधाकृष्णन और डॉ तमिलिसाई सौंदरराजन सहित अन्य लोग शामिल हुए। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी विनोज पी सेल्वम ने कहा, बैठक में हमारे प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने 2026 के चुनाव में द्रमुक सरकार को सत्ता से बाहर करने और राज्य विधानसभा में भाजपा के अधिकतम सदस्यों की संख्या सुनिश्चित करने का संकल्प व्यक्त किया। केंद्रीय स्वास्थ्य, रसायन एवं उर्वरक मंत्री नड्डा यहां एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में धर्मपुरम अधीनम के तत्वावधान में आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय शैव सिद्धांत सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए हैं।

निर्मला सीतारमण ने जातिगत गणना का श्रेय लेने पर तमिलनाडु सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का निर्णय कड़े परिश्रम से हासिल ''जीत'' है।

साथ ही सीतारमण ने इस कदम का राजनीतिक लाभ उठाने का ''प्रयास'' करने के लिए तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की। सीतारमण ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जातिगत गणना को मंजूरी दे दी है और इस अभ्यास के जरिए जुटाए जाने वाले आंकड़ों से सरकार समाज के गरीब और हाशिए पर पड़े वर्गों की बेहतर मदद कर सकेगी। वित्त मंत्री ने द्रमुक शासन में राज्य के एक गांव में हुई एक घटना का भी हवाला दिया, जहां कथित तौर पर पेयजल में मानव मल-मूत्र मिला हुआ पाया गया था।

सीतारमण ने कहा, ''उनका (द्रमुक) कहना है कि उत्तर भारत के कुछ राज्य पिछड़े हुए हैं लेकिन ऐसे राज्यों में भी इस तरह की घटनाएं नहीं हुई हैं। इसलिए, द्रमुक के इस तर्क में कोई दम नहीं है कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का फैसले उनकी जीत है।'' दिसंबर 2022 में पुडुकोट्टई जिले के वेंगाइवायल गांव में अनुसूचित जाति के आवासीय इलाके में एक पानी की टंकी में कथित तौर पर मानव मल-मूत्र मिला पाया गया था। स्टालिन ने हाल में कहा था कि आगामी जनगणना अभ्यास में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का फैसला उनकी पार्टी और तमिलनाडु सरकार के लिए कड़े परिश्रम से हासिल ''जीत'' है। द्रमुक पर हमला जारी रखते हुए सीतारमण ने कहा कि आज भी तमिलनाडु में दुकानों के बोर्ड पर मालिकों के समुदाय के नाम लिखे होते हैं। उन्होंने कहा, ''इस पर कोई राजनीतिक टिप्पणी करने के बजाय मैं ईमानदारी से चाहती हूं कि हमें इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि हम उन लोगों की कैसे मदद कर सकते हैं जो गरीब और दलित हैं।'' इस आरोप का जवाब देते हुए कि केंद्र सरकार केवल कॉरपोरेट्स के पक्ष में काम कर रही है, उन्होंने स्पष्ट रूप से इसका खंडन किया और कहा कि अगर किसी राज्य सरकार को निवेश प्रस्ताव मिले हैं तो क्या इसका मतलब यह है कि वह पक्षपात कर रही है। उन्होंने कहा, केंद्र किसी भी कॉर्पोरेट का पक्ष नहीं ले रहा है। दूसरी बात आज प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने विड़िण्गम बंदरगाह का उद्घाटन किया। लेकिन, इसे ओमन चांडी (दिवंगत) नीत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने औपचारिक रूप से अदाणी समूह को सौंप दिया था। द्रमुक के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि केंद्र राज्य को धन नहीं दे रहा है, सीतारमण ने कहा, मैं जब भी यहां आती हूं तो तमिलनाडु को कितना धन आवंटित किया गया है इसका आंकड़ा साझा करती हूं। लेकिन वे (तमिलनाडु सरकार) इस तरह की टिप्पणी (कि केंद्र ने कोई धन जारी नहीं किया) करते रहे हैं।

एक्सप्रेस ट्रेनों में लगेंगे एलएचबी कोच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे मध्य रेलवे ने निम्नलिखित ट्रेनों को पारंपरिक रेकों से लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) रेकों में परिवर्तित करने की अधिसूचना जारी की है, जिसका उद्देश्य यात्री सुरक्षा और आराम को बढ़ाना है।

ट्रेन संख्या 22150 पुणे-एर्नाकुलम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 06 जुलाई, से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। ट्रेन संख्या 22149 एर्नाकुलम-पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस 08 जुलाई से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 11097 पुणे-एर्नाकुलम पूर्णा एक्सप्रेस 05 जुलाई से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। ट्रेन संख्या 11098 एर्नाकुलम-पुणे पूर्णा एक्सप्रेस 07 जुलाई से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी।

एलएचबी रेकों के रूपांतरण के परिणामस्वरूप, ट्रेन नंबर 22150/22149 पुणे-एर्नाकुलम-पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 11097/11098 पुणे-एर्नाकुलम-पुणे पूर्णा एक्सप्रेस की कोच संरचना को संशोधित किया जाएगा। दो एसी टू टियर कोच, चार एसी थ्री टियर कोच, सात स्लीपर क्लास कोच, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, एक पेंट्रीकार, एक द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और एक लगेज सह ब्रेक वैन (एलएचबी रेक) होंगे।

केरल के मंत्री के फेसबुक पोस्ट पर भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने दी तीखी प्रतिक्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को कहा कि जब हर कोई विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के चालू होने का जश्न मना रहा था, तभी कम्युनिस्ट शाही परिवार के एक दामाद को इससे परेशानी हो रही थी। चंद्रशेखर का इशारा स्पष्ट रूप से केरल के लोक निर्माण विभाग मंत्री पी ए मोहम्मद रियास की ओर था, जो मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के दामाद हैं।

भाजपा नेता की यह टिप्पणी रियास के एक फेसबुक पोस्ट के जवाब में आई। इस पोस्ट में रियास ने राज्य के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल और माकपा की प्रदेश इकाई के सचिव एम. वी. गोविंदन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की थी। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा था, हम दर्शकों में हैं और राजीव चंद्रशेखर मंच पर हैं।' चंद्रशेखर ने कहा कि वह कार्यक्रम स्थल पर जल्दी पहुंचे थे और मंच पर गए क्योंकि वह भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलना चाहते थे। उद्घाटन समारोह के दौरान जब भाजपा समर्थकों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए, तो वह भी उनके साथ हो गए।

चंद्रशेखर ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा,यह सब देखकर कम्युनिस्ट शाही परिवार के दामाद को परेशानी हो रही है और वह दुखी हैं। मुझे उनकी नाखुशी का कारण नहीं पता, क्योंकि मैं न तो डॉक्टर हूं और न ही मनोवैज्ञानिक। उन्हें डॉक्टर के पास जाना चाहिए और अपनी समस्या के लिए दवा लेनी चाहिए। रियास ने चंद्रशेखर की टिप्पणियों को 'अपरिपक्व' करार दिया। लोक निर्माण मंत्री ने कोझिकोड में पत्रकारों से कहा कि फेसबुक पर उनकी टिप्पणी मंत्री के तौर पर नहीं की गई थी बल्कि उन्होंने वही कहा जो एक आम नागरिक उस समय सोचता। उन्होंने यह भी कहा कि किसी का भी यह मत नहीं है कि राज्य मंत्रिमंडल का हर मंत्री मंचासीन होना चाहिए। उन्होंने कहा,यह पहले ही तय हो चुका था कि मंच पर कौन होगा और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। मैंने यह मुद्दा नहीं उठाया है।

रियास ने पूछा कि क्या यह सही है कि एक राजनीतिक पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष मंच पर बैठा है। उन्होंने कहा, यहां तक कि भाजपा को भी इस बारे में सोचना चाहिए। जब उनसे उपचार कराने संबंधी चंद्रशेखर के बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी यहां तक दुश्मनों के बारे में भी ऐसा बयान नहीं देना चाहिए।

भाजपा नेता की टिप्पणी को व्यक्तिगत हमला' करार देते हुए मंत्री ने कहा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद चंद्रशेखर की हालिया हरकतों को देखकर मैं भी यही कह सकता हूं कि उन्हें डॉक्टरों द्वारा जांच की जरूरत है। लेकिन, ''मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं।'' उन्होंने कहा कि माकपा इस तरह का 'अपरिपक्व राजनीतिक रुख' नहीं अपनाती है। चंद्रशेखर ने कहा कि अगर वामपंथी ऐसी घटनाओं से नाखुश हैं, तो आने वाले दिनों में और अधिक नाखुशी होंगे। उन्होंने दावा किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सही ही कह रहे थे कि कई लोगों की रातों की नींद उड़ जाएगी। उन्होंने कहा,माकपा द्वारा सोशल मीडिया मंच पर मुझे कल रात से ही ट्रोल किया जा रहा है।

चेन्नई और भगत की कोठी के बीच नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की शुरूआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय रेल मंत्री ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - भगत की कोठी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की उद्घाटन स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 3 मई को पुणे रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में दो नई रेल सेवाओं - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-भगत की कोठी (जोधपुर) एक्सप्रेस और पुणे (हडपसर)-जोधपुर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पुणे में आयोजित समारोह में भाग लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ एल मुरुगन मुंबई से वर्चुअल माध्यम से समारोह में शामिल हुए।

डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल में विधायक वनथी श्रीनिवासन ने कार्यक्रम में भाग लिया, जहाँ से डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-भगत की कोठी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की उद्घाटन स्पेशल को पुणे से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाई गई। कार्यक्रम का डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल में सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह, दक्षिण रेलवे के अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर, चेन्नई के मंडल रेल प्रबंधक विश्वनाथ बी. आर्य, दक्षिण रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी, राजस्थानी एसोसिएशन एवं भारत माता एसोसिएशन के सदस्य तथा रेल यात्री उपस्थित थे।

नई ट्रेन संख्या 20625/20626 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - भगत की कोठी सुपरफास्ट एक्सप्रेस तमिलनाडु और राजस्थान के बीच अंतरराज्यीय रेल संपर्क को मजबूत करेगी। यह ट्रेन दक्षिण भारत और पश्चिमी राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र के बीच बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने के लिए सप्ताह में पांच दिन चलेगी। यह ट्रेन डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 19:45 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 12:15 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 20626 भगत की कोठी से 05:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 23:15 बजे एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुँचेगी। मार्ग में यह ट्रेन गुडूर, नेल्लोर, ओंगोल, विजयवाड़ा, वारंगल, चंद्रपुर, वर्धा, अकोला, भुसावल, नंदुरबार, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, भीलडी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, जालोर, समदड़ी और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में 22 कोच हैं जिनमें 6 स्लीपर क्लास कोच, 4 एसी 3-टियर, 4 एसी 3-टियर इकॉनमी कोच, 2 एसी 2-टियर कोच, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 लगेज-कम-ब्रेक वैन शामिल हैं, जो सभी यात्री वर्गों के लिए आरामदायक यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करते हैं। यह नई सेवा दक्षिण भारत से राजस्थान के लिए मौजूदा ट्रेनों के बेड़े में शामिल हो गई है - जैसे कि एमएएस जयपुर एक्सप्रेस (12967), अणुव्रत एक्सप्रेस (22631), और बीजीकेटी हमसफर एक्सप्रेस (20482) - जो मारवाड़ क्षेत्र तक सीधी पहुँच प्रदान करती है, जिसमें भीलड़ी, जालोर, समदड़ी और लूनी में वाणिज्यिक ठहराव शामिल हैं, जो अन्य चेन्नई-मूल ट्रेनों द्वारा कम सेवा प्रदान करते हैं।

साइबर सिक्योरिटी में भी सर्वश्रेष्ठ बनेगा राजस्थान : राज्यवर्धन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की अध्यक्षता में योजना भवन में शनिवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में साइबर सिक्योरिटी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में तकनीकी उन्नति, मानव संसाधन और प्रक्रियाओं के विकास पर चर्चा की गई। आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने बैठक में साइबर सिक्योरिटी के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी केवल सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके लिए तीन प्रमुख तत्वोंपीपल (लोग), प्रोसेस (प्रक्रियाएं) और टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) का समन्वय जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल तकनीक पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना होगा ताकि विदेशी निर्भरता कम हो।

कर्नल राठौड़ ने बैठक में मानव संसाधन के विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए संरचित और असंरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर दिन प्रशिक्षण, जागरूकता का विस्तार और ग्रूमिंग होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बजट प्रावधान भी किए जाएंगे, जिससे सर्टिफाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के माध्यम से कर्मचारियों की क्षमता को और निखारा जा सके। इससे न केवल कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ेगी, बल्कि उनकी पेशेवर मूल्यवृद्धि भी होगी। साथ ही कार्य संस्कृति में सुधार होगा, जो दीर्घकालिक रूप से विभाग की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को देश का सर्वश्रेष्ठ बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, मजबूत भारत है। हम नई सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का आईटी विभाग राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल बने। इस दिशा में विभाग ने एक निश्चित समयावधि में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। कर्नल राठौड़ ने भामाशाह डेटा सेंटर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह वर्तमान में देश के अन्य राज्यों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और उन्नत है। यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से सक्षम है, बल्कि साइबर खतरों से डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बैठक में प्रतिष्ठित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल निधीश भटनागर ने साइबर सिक्योरिटी के संबंध में प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी हर दिन चालाक बनते जा रहे हैं। ऐसे में आईटी प्रोफेशन से जुड़े हर व्यक्ति को भी हर दिन अपडेट और सतर्क रहने की आवश्यकता है। बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ ही, ऊर्जा, जयपुर विकास प्राधिकरण, सहकारिता, भूजल संसाधन, परिवहन, आबकारी विभागों के अलावा आरजीएचएस और आईएफएमएस परियोजना आदि से जुड़े विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे।

राजस्थान में अवैध बंगलादेशी, पाक नागरिकों के खिलाफ अभियान जारी

अलवर। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों की हत्या की घटना के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर राजस्थान में पाकिस्तानी और बंगलादेशी घुसपैठियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राजस्थान में अलवर के दौरे पर आये जयपुर पुलिस रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अजय पाल लाम्बा ने शनिवार को बताया कि अवैध बंगलादेशियों को चिह्नित करने की कार्रवाई की जा रही है। उनका पता लगाकर उनकी वापसी की तैयारी की जा रही है। पुलिस इस काम में लगी हुई है। दो दिन से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल उनका चिह्नीकरण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जयपुर पुलिस रेंज में अब तक 90 बंगलादेशियों को चिह्नित किया गया है, जिन्हें डिटेंशन सेंटर में भेजने की तैयारी की जा रही है। लाम्बा ने बताया कि सीकर में 34, जयपुर ग्रामीण में 14, कोटपूतली बहरोड जिले में 35, दौसा में तीन बंगलादेशियों को चिह्नित किया गया है। इसके अलावा भिवाड़ी, खैरथल और अलवर जिलों में पुलिस दल उनका पता लगाने में जुटे हैं। भिवाड़ी सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है, जहां पहले भी बंगलादेशी पकड़े गए थे।

इस संबंध में उन्होंने कहा कि वहां पुलिस बंगलादेशियों की तलाश में लगी हुई है। औद्योगिक क्षेत्र के प्रत्येक कारखाने में सत्यापन किया जा रहा है। लोगों के घरों में, हाउस मेड के रूप में या निर्माण स्थल पर जो भी मजदूर काम कर रहे हैं, उनका पता लगाकर सत्यापन किया जा रहा है।

भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम भी है, समर्थ भी है, सशक्त भी है और स्वतंत्र भी है। पहलगाम में आतंकी घटना को लेकर शेखावत ने कहा कि यह नया भारत है, जो घर में घुसकर मारेगा। शनिवार को पत्रकारों से वार्ता में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान में उत्पन्न भय के माहौल से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पाकिस्तान में भय होना भी चाहिए। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिखा है, भय बिनु होइ न प्रीत. मुझे लगता है कि जब भारत ने उरी और पुलवामा के बाद सर्जिकल स्ट्राइक की, तब यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपनी भूमि या बाहर से चल रही विरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। पिछले पांच-छह वर्षों में कोई बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई थी। अब एक बार फिर से ऐसी कायराना हरकत की गई है। शेखावत ने कहा कि यह नया भारत है, जो घर में घुसकर मारेगा। पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जी स्वयं इस बात को सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं।

पाकिस्तान के नेताओं द्वारा गौरी-गजनवी मिसाइल और एटम बम की धमकियों पर शेखावत ने कहा कि गौरी-गजनवी पहले भी थे। गौरी-गजनवी तो भारत में आकर अनेक बार पराजित हुए हैं। जब हमने एयर स्ट्राइक की थी, तब भी उनके पास यही मिसाइलें थीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हजार वर्ष पूर्व भी हमारे पूर्वजों ने इन्हें सबक सिखाया था। एक बार फिर गौरी-गजनवी को हमारी अग्नि और ब्रह्मोस से उचित जवाब मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि विश्व के वे सभी देश, जिन्होंने आतंकवाद का दंश झेला है, इस समय भारत के साथ खड़े हैं। विश्व स्वीकार कर रहा है कि आतंकवाद की जड़ें पाकिस्तान में पाली-पोसी और सींची जा रही हैं। अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य सभी देश भारत के साथ मजबूती से खड़े हैं। लेकिन मैं कहूंगा कि कोई खड़ा हो या न हो, भारत अपने हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम, समर्थ, सशक्त और स्वतंत्र है।

सिंधु जल संधि निलंबित करने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि पिछले सभी युद्धों के दौरान भी हमने सिंधु जल संधि की पवित्रता को नहीं तोड़ा था। लेकिन अब प्रधानमंत्री जी ने स्पष्ट कहा है कि समय आ गया है, जब रक्त और पानी दोनों एक साथ नहीं बह सकते। आज़ादी के 75 वर्ष बाद हमें यह विचार करना चाहिए कि किन कारणों से, किस दबाव में और क्यों भारत के हितों, किसानों के हितों और आम नागरिकों के हितों के साथ समझौता करते हुए यह संधि की गई थी। उन्होंने कहा कि संधि के निलंबन से पाकिस्तान की बौखलाहट स्वाभाविक है और यह घबराहट अब बनी रहेगी। सिंधु का जल राजस्थान तक लाने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह भारत के हित में होगा, लेकिन इस पर जल्दबाज़ी की आवश्यकता नहीं है और न ही यह समय उचित है। जाति जनगणना और महिला आरक्षण के मुद्दे पर शेखावत ने कहा कि आज़ादी के बाद देश में हुए परिवर्तन और विकास के मद्देनज़र एक नए सिरे से समीक्षा की आवश्यकता थी। प्रधानमंत्री जी ने जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, वह गरीबों, वंचितों और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए है। यह निर्णय अंत्योदय की भावना को साकार करने वाला है। मैं प्रधानमंत्री जी के इस निर्णय का हृदय से स्वागत करता हूं।

ओटीटी और सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह प्रत्यक्ष रूप से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का विषय है। देशवासियों ने इस पर चिंता जताई है और जिम्मेदार लोगों को इस पर संज्ञान लेकर अवश्य कार्रवाई करनी चाहिए।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर शेखावत ने कहा कि विश्वभर में प्रेस और पत्रकारिता की अपनी बड़ी भूमिका है। भारत की आज़ादी और उसके बाद लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने में जितनी बड़ी भूमिका न्यायपालिका की रही है, उतनी ही बड़ी भूमिका मीडिया की भी रही है। आज जब सोशल मीडिया एक नया मीडिया वर्टिकल बन चुका है, तब परंपरागत मीडिया पर इसका असर स्पष्ट दिखता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मीडिया की पवित्रता बनाए रखने की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। शेखावत ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की सभी को शुभकामनाएं दीं।

भारत ज्ञान परंपरा में आरम्भ से ही रहा है समृद्ध : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप में लागू करने के लिए शिक्षक और शिक्षण संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए कहा है कि प्राचीन काल से ही विज्ञान, कला, साहित्य और सांस्कृतिक क्षेत्र में भारत अत्यधिक संपन्न रहा है।

बागड़े शनिवार को महाराष्ट्र के जालना जिले में जन जागृति संस्थान एवं विद्या भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति की क्रियान्वयन से संबंधित कार्यशाला में भाग लेते हुए यह बात कही। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख किया।

उन्होंने भारतीय ज्ञान को नष्ट करने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय में बख्तियार खिलजी द्वारा लगाई गई आग का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय ज्ञान को नष्ट करने के निरंतर प्रयास होते रहे हैं। पर विचारों को नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विकसित भारत के साथ भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप में लागू करने के लिए शिक्षक और शिक्षण संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही विज्ञान, कला, साहित्य और सांस्कृतिक क्षेत्र में भारत अत्यधिक संपन्न रहा है।

उन्होंने भारतीय ज्ञान को नष्ट करने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय में बख्तियार खिलजी द्वारा लगाई गई आग का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय ज्ञान को नष्ट करने के निरंतर प्रयास होते रहे हैं। पर विचारों को नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विकसित भारत के साथ भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

'ईसरदा बांध का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण, इस मानसून में होगा जल संग्रहण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के हर छोर तक सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में सवाई माधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड़ पर किया जा रहा है। बांध के निर्माण का 90 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। बांध के पियर्स एवं गेटों का कार्य पूरा हो चुका है। डैम एवं कॉक्रीट स्पिलवे का कार्य 15 जून तक पूर्ण किये जाने का प्रयास है। इसी के तहत शनिवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ईसरदा बांध परियोजना के निर्माण कार्य, फिल्टर प्लांट साइट के कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही, विभागीय अभियंताओं को कार्य प्रगति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों को भूमि आवंटन, पुनर्वास अवार्ड कार्य की पूर्णता को समयबद्ध सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण, रेलवे एवं वन विभाग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर इनका शीघ्र समाधान किये जाने की बात कही।

इस दौरान उपखंड अधिकारी उनियारा शत्रुघन गुर्जर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजसिंह, अधीक्षण अभियंता टोंक राजेश गोयल, बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह, ईसरदा बांध के अधीक्षण अभियंता विजय शर्मा, अधिशाषी अभियंता विकास गर्ग, सहायक अभियंता अभिषेक लसाड़िया समेत अन्य मौजूद रहे।

ईसरदा बांध बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में ग्राम बनेठा (तहसील उनियारा) टोंक के पास बनास नदी पर बनाया जा रहा है। इसका निर्माण दो चरणों में किया जाना है। प्रथम चरण में डैम का निर्माण पूर्ण भराव स्तर 262 आरएल मीटर (भराव क्षमता 10.77 टीएमसी) तक पूर्ण किया जाएगा। इसमें पानी का भंडारण 256 आरएल मीटर भराव क्षमता 3.24 टीएमसी है। दूसरे चरण में बांध में पूर्ण भराव क्षमता 262 आरएल मीटर तक पानी संग्रहित हो सकेगा।

आगामी मानसून के दौरान बांध में जल संग्रहित किया जा सकेगा। इसके बाद दौसा के 1 हजार 79 ग्राम और 5 शहरों तथा सवाई माधोपुर के 1 शहर तथा 177 गांवों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति हो सकेगी। यह परियोजना जल संकट समाधान के साथ बीसलपुर बांध के अधिशेष पानी और बनास नदी के बारिश के जल का कुशल प्रबंधन भी सुनिश्चित करेगी। साथ ही, ईसरदा बांध से रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक परियोजना) के तहत अन्य बांधों को पेयजल के लिए आपूर्ति हो सकेगी।

बांध निर्माण में ओवरफ्लों वाले भाग में स्पिलवेय ब्रिज में स्लैब निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। अभी तक 28 के विरुद्ध 28 स्लैब डाली जा चुकी है। साथ ही, 28 पीयर्स के विरुद्ध 28 पियर्स वांछित ऊंचाई तक पूर्ण किए जा चुके है। बांध में 84 गर्डर के विरुद्ध 84 गर्डर लॉन्च किए गए है। बांध में 28 ब्लॉक एप्रेन के विरुद्ध 23 ब्लॉक एप्रेन का निर्माण किया जा चुका है। बांध में 28 पावर पैक रूम के विरुद्ध 28 पावर पैक रूम और 28 रेडियल गेट के विरुद्ध 28 रेडियल गेट का निर्माण हो गया है। बांध में 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर के विरुद्ध 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर भी लगाए जा चुके हैं। मिट्टी के बांध का कार्य लगभग 82 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। मुख्य बांध का कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

कई इलाकों में बारिश, तापमान में गिरावट

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में हल्की बारिश हुई और तापमान में गिरावट आने से लोगों को राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि में अलवर व जोधपुर जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हुई। सर्वाधिक बारिश भोपालगढ़ (जोधपुर) में 10 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा टोंक सहित कई जिलों में मेघ गर्जन व बादल छाए रहे तथा तेज हवा चली। इसने बताया कि इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान जैसलमेर में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य के कई भागों में मेघगर्जन के साथ आंधी बारिश आगामी एक सप्ताह के दौरान जारी रहने की संभावना है जिससे अधिकतम तापमान में गिरावट होगी तथा लोगों को भीषण गर्मी से राहत रहेगी।

ड्रोन डेमो से दिया आत्मनिर्भर भारत का संदेश

कोटा। राजस्थान के शिक्षा, पंचायती राज एवं संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की मौजूदगी में कोटा जिले में पंचायत समिति खैराबाद की रीछड़िया ग्राम पंचायत में आयोजित जन समस्या समाधान शिविर में तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विद्यालय के छात्रों ने ड्रोन प्रदर्शन करके आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया गया। रीछड़िया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में 'सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत शनिवार को आयोजित इस एक दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों ने ड्रोन उड़ाकर आकाश में रंगों की बौछार की और नवाचार का संदेश दिया। ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी कीर्ति मेहरोत्रा ने बताया कि सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत एडवांस इंडिया कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों द्वारा शिविर में ही बनाए गए ड्रोन को उड़ाया। शिविर में श्री दिलावर ने बच्चो से इसकी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान कर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया है कि वे सभीअमृत काल के योद्धा के रूप मेंप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान देंगे तथा उत्कृष्ट लोक सेवा के माध्यम से हमेशा राजस्थान का नाम देशभर में रोशन करेंगे। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सम्मान समारोह कोसंबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले वर्ष से चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की पहल की है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माने जाने वाली यह परीक्षा पास करके प्रदेश के युवाओं ने अपने माता-पिता के साथ ही क्षेत्र और पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा किइस सफलता के बाद जीवन में बेहतर कार्य करते हुए परिजनों की खुशी के भाव को जीवन में आगे भी बनाएं रखें।

मुख्यमंत्री ने 'कर्ता के आगे हारे करतार' उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है तथा दृढ़ संकल्प के साथ की गई मेहनत सेसफलता अवश्य मिलतीहै। उन्होंने कहा किइस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के बाद भी चयनित युवाओं के जीवन में नए परिश्रम का दौर शुरू होगा। क्योंकि राष्ट्र निर्माण और गरीब कल्याण में लोक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। उन्होंने जीवन में विनम्रता एवं धैर्य को अपनाते हुए आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने का आह्वान किया। शर्मा ने कहा कि लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार हैं तथा लोक सेवा का महत्व हमारे समाज और राष्ट्र के लिए असीमित है। इसलिए लोक सेवकों का नवाचारी होना महत्वपूर्ण है, ताकि आम लोगों को बेहतर नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान की जा सकें।

देवनानी ने शिव महापुराण कथा का श्रवण किया

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को यहां राजधानी जयपुर में शिव महापुराण कथा का श्रवण किया। देवनानी विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा में पहुंचकर पंडित प्रदीप मिश्रा को दुपट्टा एवं शॉल ओढाकर और माला पहनाकर उनका आशीर्वाद और कथा का प्रसाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता भागवत भूषण पं. प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) के मुख से पावन कथा का वाचन हो रहा है। शिव महापुराण कथा में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति और श्रद्धा भाव अद्भुत है। पं. प्रदीप मिश्रा भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़े प्रसंगों में अमर कथा के रहस्य रोचकता के साथ उजागर कर रहे हैं।

नदी जल बंटवारे के मुद्दे पर हरियाणा में सर्वदलीय बैठक हुई, पंजाब से 'बिना शर्त' पानी छोड़ने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के साथ नदी जल बंटवारे को लेकर जारी विवाद के बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नीत हरियाणा सरकार ने शनिवार को यहां सर्वदलीय बैठक की और इसमें पड़ोसी राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार से भाखड़ा बांध से ''बिना शर्त'' पानी छोड़ने की अनुमति देने का आग्रह किया गया।

हरियाणा सरकार का यह कदम एक दिन पहले पंजाब में हुई सर्वदलीय बैठक के बाद सामने आया है। पंजाब में हुई सर्वदलीय बैठक में राज्य सरकार द्वारा भाजपा शासित हरियाणा को और अधिक पानी देने से इनकार करने का समर्थन किया गया था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के पानी छोड़ने के निर्देश का पालन न करना ''असंवैधानिक, अमानवीय'' और संविधान के संघीय ढांचे पर हमला है। सैनी ने बैठक में शामिल विभिन्न दलों के नेताओं के साथ संवाददाता सम्मेलन में कहा, सर्वदलीय बैठक में फैसला किया गया कि पंजाब की भगवंत मान सरकार को तुरंत और बिना शर्त पानी छोड़ना चाहिए।

बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें पंजाब सरकार से अपील की गई कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की तकनीकी समिति द्वारा 23 अप्रैल तथा 30 अप्रैल को लिए गए निर्णयों को बिना शर्त तत्काल लागू किया जाए।

राज्य के अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प जताते हुए सैनी ने कहा कि ''हमारा रास्ता टकराव का नहीं, बल्कि सहयोग का है। उन्होंने भगवंत मान सरकार से ''पड़ोसी के दर्द को समझने'' का आग्रह किया। सैनी ने कहा, उन्हें (पंजाब सरकार) पानी छोड़ने पर अमानवीय, असंवैधानिक, अवैध और अनुचित प्रतिबंध को तुरंत हटाना चाहिए। हम कोई भी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

शनिवार को हुई बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्य की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, ऊर्जा मंत्री अनिल विज, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उदय भान, जननायक जनता पार्टी (जजपा) के दुष्यंत चौटाला, आम आदमी पार्टी (आप) के सुशील गुप्ता और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के रामपाल माजरा मौजूद थे।

इससे एक दिन पहले, पंजाब में आप सरकार ने भी इसी तरह की बैठक की जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई सहित विभिन्न दलों ने इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाई।

मुंबई में बुलेट ट्रेन के पहले स्टेशन के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है : रेल मंत्री वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि मुंबई के बीकेसी में बुलेट ट्रेन के पहले स्टेशन के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है।

वैष्णव ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में निर्माणाधीन भूमिगत स्टेशन का दौरा किया और इसकी प्रगति की समीक्षा की। रेल मंत्री के साथ नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों के साथ ही मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के प्रतिनिधि भी थे। एनएचएसआरसीएल 500 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है।

वैष्णव ने कहा कि सबसे निचले 'बी3 बेसमेंट लेवल' का काम पूरा हो चुका है।

रेल मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, बीकेसी में बुलेट ट्रेन के पहले स्टेशन के निर्माण का काम बहुत तेजी से चल रहा है। स्टेशन की दीवार का काम शुरू हो चुका है और साथ ही सुरंग का काम भी बहुत तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि सुरंग वाले हिस्से (शील फाटा) से आगे, भूमि अधिग्रहण के बाद महाराष्ट्र खंड में सभी निर्माण कार्य तेज गति से जारी हैं।

मंत्री ने कहा कि बीकेसी स्टेशन पर एक बहुमंजिला संरचना की योजना बनाई गई है।

पहलगाम हमले से पहले खुफिया एजेंसियों ने पर्यटकों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई थी: अधिकारी

दिल्ली/श्रीनगर/भाषा। पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले से कुछ दिन पहले ही खुफिया एजेंसियों ने पर्यटकों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई थी। खुफिया एजेंसी ने खासकर श्रीनगर के बाहरी इलाके के अंतर्गत जबरवान रेंज की तलहटी में स्थित होटलों में ठहरे पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर आशंका जताई थी।

मामले से अवगत अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे इन क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई और दाचीगाम, निशात और आस-पास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान की निगरानी के लिए श्रीनगर में शीर्ष पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया। पिछले साल अक्टूबर में सोनमर्ग के गंगनगीर में एक निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले (जिसमें एक चिकित्सक सहित सात लोग मारे गए थे) के कारण इन क्षेत्रों पर ध्यान गया और सुरक्षा बलों ने गश्त बढ़ा दी।

यह इलाका श्रीनगर शहर के ऊपर जबरवान रेंज के दूसरी तरफ स्थित है। दो सप्ताह के अभियान के अलावा सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर श्रीनगर के बाहरी इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन इन प्रयासों से कोई सफलता नहीं मिली और 22 अप्रैल को अभियान बंद कर दिया गया। लेकिन 22 अप्रैल को ही आतंकवादियों ने पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों को निशाना बनाया और 26 लोगों की हत्या कर दी।

ऐसी सूचनाएं थीं कि आतंकवादी पिछले महीने की शुरुआत में कटरा से श्रीनगर के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के दौरान इस तरह के नापाक मंसूबों को अंजाम देना चाहते थे।

मंदिर में उत्सव के दौरान हुई भगदड़ की घटना की मजिस्ट्रेट जांच कराई जाएगी: सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि उत्तरी गोवा के मंदिर में मची भगदड़ के मामले की मजिस्ट्रेट से जांच कराई जाएगी। भगदड़ की घटना में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए।

यह घटना शनिवार तड़के करीब तीन बजे पणजी से करीब 40 किलोमीटर दूर शिरगांव में श्री लईराई देवी मंदिर में हुई। भगदड़ उस समय मची जब हजारों की संख्या में श्रद्धालु वार्षिक उत्सव के लिए मंदिर की संकरी गलियों में उमड़ पड़े थे।

सावंत मापुसा में सरकारी उत्तरी गोवा जिला अस्पताल पहुंचे जहां कुछ घायलों को भर्ती कराया गया है। बाद में वह उस स्थान पर भी गए घटना हुई थी।

मुख्यमंत्री ने अपने एक पोस्ट में कहा, शिरगांव जात्रा में हुई घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराई जाएगी। मैं जल्द ही पूरी स्थिति की समीक्षा करने और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करूंगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दिन में घटनास्थल पर पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि उन्होंने घटना की विस्तृत जांच के लिए कहा है। सावंत ने कहा था, हम रिपोर्ट को सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य में सभी मंदिर उत्सवों के दौरान सावधानी बरती जाएगी।

सावंत ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, मैंने घटना की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। हम रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में मंदिर उत्सवों के दौरान ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भविष्य में सावधानी बरती जाएगी।

सावंत ने कहा कि भगदड़ के बारे में पता चलने के बाद वह सुबह मापुसा शहर स्थित उत्तरी गोवा जिला अस्पताल गए। इससे पहले सावंत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें फोन कर पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

राष्ट्रपति शासन के बावजूद मणिपुर में हालात सामान्य नहीं, चुनाव कराया जाए: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने के बावजूद हालात सामान्य नहीं हुए हैं।

पार्टी के प्रदेश प्रभारी सप्तगिरि उलाका ने केंद्र से यह आग्रह भी किया कि राज्य में जल्द विधानसभा चुनाव कराया जाए ताकि वहां जनता की सरकार का गठन हो और मणिपुर में शांति स्थापित की जा सके।

मणिपुर में हिंसा भड़कने के दो साल पूरा होने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम अपेक्षा करते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर के लोगों को आश्वासन देंगे और वहां जो भी घटना घटी है, उसकी जिम्मेदारी लेंगे। नरेंद्र मोदी आज तक मणिपुर नहीं गए और अब गृह मंत्री अमित शाह भी मणिपुर नहीं जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी मणिपुर में हालात सामान्य नहीं है। उलाका ने कहा, हम लगातार मणिपुर की आवाज उठाते रहेंगे, जब तक मणिपुर को न्याय नहीं मिलता। उन्होंने सवाल किया, आखिर प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर कब जाएंगे? मणिपुर में 55 विधायक होने के बाद भी राष्ट्रपति शासन लागू करने की क्या जरूरत पड़ी? क्या सरकार ने केवल इसलिए राष्ट्रपति शासन लागू किया, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने दबाव डाला था और (पार्टी) अविश्वास प्रस्ताव लाई थी।

कांग्रेस नेता ने कहा, हम मांग करते हैं कि मणिपुर में चुनाव की घोषणा की जाए, ताकि वहां जनता की सरकार का गठन हो और मणिपुर में शांति स्थापित की जा सके।

मुर्शिदाबाद हिंसा: पिता-पुत्र की हत्या के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा के दौरान पिता-पुत्र की हत्या के मामले में राज्य पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि इस मामले में अब तक कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अधिकारी ने बताया कि नूरुल इस्लाम को आज तड़के फरक्का से गिरफ्तार किया गया। इस्लाम हत्या की वारदात के बाद से फरार था।

आरोपी व्यक्ति को शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में आठ से 12 अप्रैल तक इन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में हुई हिंसा के सिलसिले में पिता और पुत्र सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो चुकी है और हिंसा के मामले में 274 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

परिसीमित जालुकबारी सीट पर पंचायत चुनाव 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मेरे लिए परीक्षा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले परिसीमित जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र में पंचायत चुनाव उनके लिए एक अग्निपरीक्षा है। इस सीट का उन्होंने लगभग 25 वर्षों तक प्रतिनिधित्व किया है।

भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पक्ष में उन्होंने सात मई को होने वाले पंचायत चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए लगातार चार चुनावी रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने पुनर्निर्धारित जालुकबारी विधानसभा सीट के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। शर्मा ने गोरोल में एक रैली में कहा, यह पंचायत चुनाव मेरे लिए एक परीक्षा की तरह है। मैट्रिक परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए हम जो चयन परीक्षा देते हैं, उसके समान। अगर मैं यह परीक्षा पास कर लेता हूं, तभी मुझे अगले साल के फाइनल (विधानसभा चुनाव) के लिए जालुकबारी से पार्टी का टिकट मिलेगा। जालुकबारी पहले गुवाहाटी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा था।

अपने चुनावी सफर की शुरुआत को याद करते हुए शर्मा ने कहा कि वह 1997 में 27 साल की उम्र में जालुकबारी में चुनाव में जीतने में वह विफल रहे थे। उन्होंने कहा कि वह 2001 में पहली बार 12,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि अंतर लगातार बढ़ता रहा है और 2021 के विधानसभा चुनाव में यह 1.04 लाख था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के साथ उनका जुड़ाव ही उनकी सफलता का कारण है और उन्होंने नए जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में भी इसे दोहराने का वादा किया।

सीआरपीएफ ने जानकारी दिए बिना पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाले जवान को बर्खास्त किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने पाकिस्तानी महिला से शादी की बात 'छिपाने' वाले अपने जवान मुनीर अहमद को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। बल ने अहमद के कृत्य राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अहमद सेवा से बर्खास्त किए जाने से पहले सीआरपीएफ की 41वीं बटालियन में पदस्थ थे।

आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अहमद को उन नियमों के तहत 'सेवा से बर्खास्त' किया गया है जिनके तहत जांच करने की आवश्यकता नहीं है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी)एम दिनकरन ने कहा, मुनीर अहमद को एक पाकिस्तानी नागरिक से अपनी शादी को छिपाने और वीजा की वैधता से अधिक समय तक उसे जानबूझकर शरण देने के कारण तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा, अहमद के कृत्य को सेवा आचरण का उल्लंघन तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया गया। अहमद और मेनल खान की शादी का मामला तब सामने आया जब भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए कूटनीतिक कदमों के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने को कहा था।

स्थानीय खेलों को मिले वैश्विक पहचान : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्थानीय खेलों को वैश्विक मान्यता दिए जाने की वकालत करते हुए शनिवार को कहा कि ओडिशा यह सुनिश्चित करना जारी रखेगा कि स्थानीय खेलों को वैश्विक मंच पर उनका उचित स्थान मिले।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि माझी ने यह मांग मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित वेव्स (विश्व दृश्य श्रव्य एवं मनोरंजन सम्मेलन') 2025 में अपने संबोधन के दौरान की। माझी ने कहा, हम भारत सरकार और वैश्विक महासंघों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्वदेशी खेलों को विश्व मंच पर उनका उचित स्थान मिले।

मुख्यमंत्री ने ओडिशा के आदिवासी बहुल सुदूर जिले क्योंझर में अपने बचपन के दिनों में 'कबड्डी' और 'खो-खो' के साथ अपने शुरुआती खेल अनुभवों को याद किया।

उन्होंने कहा, ये खेल से कहीं बढ़कर थे, ये टीम वर्क, लचीलापन और हमारे समुदायों की मिट्टी में निहित पहचान की अभिव्यक्ति थे।

माझी ने उपस्थित लोगों को बताया कि ओडिशा भारत का पहला राज्य है जिसने एक इस्पात कंपनी के सहयोग से खो-खो जैसे स्वदेशी खेल के लिए एक समर्पित उच्च प्रदर्शन केंद्र (एचपीसी) स्थापित किया है। उन्होंने 'ओडिशा जुगरनॉट्स' की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि ओडिशा 'अल्टीमेट खो-खो लीग' में राज्य सरकार के स्वामित्व वाली एकमात्र फ्रेंचाइजी है, जिसने 2022 में लीग के शुरुआती सत्र का खिताब जीता था।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह इस बात का प्रमाण है कि समर्थन और रणनीतिक निवेश से क्या हासिल किया जा सकता है।

माझी ने आगे कहा, ओडिशा में कहते हैं, खेला रे संस्कृति आछी, संस्कृति रे अस्मिता आछी (हमारे खेलों में हमारी संस्कृति निहित है, और हमारी संस्कृति में हमारी पहचान निहित है)।

मैं प्रतिबंधित पदार्थ के इस्तेमाल के कारण अस्थाई तौर पर निलंबित हूं: रबाडा

जोहानिसबर्ग/भाषा। दुनिया के शीर्ष तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने शनिवार को चौंकाने वाला खुलासा किया कि 'मौज-मस्ती के लिए नशा' करने में इस्तेमाल होने वाले प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण वह अस्थायी निलंबन झेल रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने पिछले महीने गुजरात टाइटंस के लिए दो मैच खेलने के बाद निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल छोड़ दिया था।

रबाडा इस महीने के आखिर में 30 साल के हो जायेंगे। उन्होंने 'दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए)' के माध्यम से एक बयान जारी किया।

रबाडा ने इस बयान में अपनी गलती के लिए माफी मांगते हुए कहा, जैसा की खबरों में बताया गया है कि मैं निजी कारणों से आईपीएल में भाग लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका लौटा हूं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि जांच में ऐसे प्रतिबंधित पदार्थ की पुष्टि हुई है जिसका इस्तेमाल नशे में मौज मस्ती के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा, मैं अस्थाई तौर पर निलंबन झेल रहा हूं और अपने पसंदीदा खेल में जल्द वापसी के लिए उत्सुक हूं।

इस बयान में हालांकि यह नहीं बताया गया कि उनके नमूने में किस पदार्थ की पुष्टि हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह जांच 'प्रतियोगिता के दौरान (आईसी)' हुई थी या 'प्रतियोगिता से बाहर (ओओसी)'।

भारत के लिए बहुत अच्छे कप्तान बनेंगे शुभमन गिल : राशिद खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अफगानिस्तान के टी20 कप्तान राशिद खान ने शनिवार को कहा कि शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग में सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिए ही नहीं बल्कि भारत के लिए भी बहुत अच्छे कप्तान साबित होंगे।

गिल ने गुजरात टाइटंस की मोर्चे से अगुवाई करते हुए इस सत्र में दस मैचों में अब तक 465 रन बनाये हैं।

राशिद ने मीडिया से बातचीत में कहा, शुभमन गिल का कप्तानी करते हुए यह दूसरा साल है। वह लगातार बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा, भविष्य में वह भारत के बेहतरीन कप्तानों में से होगा। सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिए नहीं बल्कि भारत के लिए भी। उसके पास कौशल और प्रतिभा है। लेकिन यह बहुत अहम है कि आपका मुख्य कोच के साथ अच्छा तालमेल रहे जिससे काम आसान हो जाता है।

गिल की कप्तानी में पिछले साल गुजरात आठवें स्थान पर रही थी जबकि इस बार दस में से सात मैच जीत चुकी है।

राशिद ने कहा, ' पिछले साल चीजें अनुकूल नहीं रही। हमने अपनी ओर से पूरी कोशिश की लेकिन नतीजा नहीं मिला। कप्तान और मुख्य कोच में अच्छा तालमेल जरूरी है और आशीष (नेहरा) भाई और शुभमन भाई के बीच वह है। उन्होंने टीम की सफलता के बारे में कहा, यह समूचा टीम प्रयास है। आशीष भाई से कप्तान शुभमन गिल तक जो मोर्चे से अगुवाई करते हैं। हम नतीजे के बारे में नहीं बल्कि प्रक्रिया के बारे में सोचते हैं।

सुविचार

मैं इस दुनिया से प्यार करता हूँ क्योंकि यह अपूर्ण है। यह अपूर्ण है, और इसलिए यह बढ़ रहा है; अगर यह सही होता तो यह मर चुका होता।

ट्वीट

आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में मीडिएशन एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं प्रथम राष्ट्रीय मीडिएशन कॉन्फ्रेंस 2025 के लॉन्च के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मूर्मू जी के साथ सहभागिता की।

-अर्जुनराम मेघवाल

जोधपुर में मुझ सेवक के घर पर जनता-जनार्दन का उदारता से आगमन मेरा परम सौभाग्य है। यह जनता रूपी जनार्दन का आशीर्वाद है, जिसकी आकांक्षा हर जनप्रतिनिधि को होती है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

कायर

उषा इस शहर में स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन में हो रहे कॉलेज लेक्चरर के इंटरव्यू में एक सब्जेक्ट एक्सपर्ट बनकर आई थी। वह खुद पास के ही एक राज्य की नामी यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी विषय की विभागाध्यक्ष थी। दिन भर इंटरव्यू का दौर चलने के बाद अपने साथियों द्वारा शाम को शहर घूमने का कहने पर उसने विनम्रता से उन्हे मना कर दिया और अपने रेस्ट हाउस में आ गई थी। इस शहर से उसका गहरा रिश्ता था। लेकिन यह शहर कभी उसका अपना होते हुए भी आज पराया लग रहा था। गगनचुंबी इमारतें , बड़े – बड़े शॉपिंग मॉल और लोगों की बदलती जीवन शैली के साथ भागमभाग वाली दिनचर्या ने इस शहर का नजारा बदल दिया था। हाथ रिक्शे और तांगों की जगह ऑटो रिक्शा और कार टैक्सी ने ले ली थी। शहर की भीड़ भाड़ से दूर शांत वातावरण में स्टेट सर्विस कमीशन का शानदार गेस्ट हाउस बना हुआ था। शाम को बढ़ती ठंड और कोहरे ने उसे गेस्ट हाउस के कमरे की चार दीवारी में ही रहने को मजबूर कर दिया था। वह अपने कमरे में बैठी टेलीविजन के किसी चैनल पर प्रसारित कार्यक्रम को देख रही थी। कुछ देर बाद उसने चैनल बदला तो उस पर पुराने फिल्मी गीत की पंक्ति मुझे तेरी मुहब्बत का सहारा मिल गया होता , अगर तूफ़ां नहीं आता किनारा मिल गया होता ..... सुनते ही उसने टेलीविजन बंद कर दिया।

तीस साल पहले उसकी ज़िंदगी में भी एक तूफान आया था। जिसने उसकी ज़िंदगी के मायने ही बदल दिए थे। उस घटना की याद उसको अंदर तक झकझोर देती थी। इतना समय बीत जाने के बाद भी उसके उसे मानसिक उधेड़बुन में लाकर कई विपरीत घटनाओं को जन्म देने वाली बन जाती थी। इसलिए इस अप्रिय प्रसंग को उसने भुला दिया था । क्योंकि पीड़ादायक स्मृतियों को भुला देना ही बुद्धिमानी था। वह समय के नाखूनों से यादों को कुरेदना नहीं चाहती थी। धीरे – धीरे उसके जेहन में एक अजीब सी हलचल हुई और वह अतीत की यादों के बीहड़ में घूमने लगी।

वह जीवन के उच्च मूल्यों के साथ जीवन बिताने वाले परम्परागत और रीति रिवाजों की चौखट में रहने वाले सभ्रान्त परिवार की सदस्य थी। राजनीतिक क्षेत्र में अपनी गहरी पैठ रखने वाले उसके पिता शहर के जाने माने उद्योगपति थे। उसके परिवार में माता – पिता और बड़ा भाई – भाभी थे। यूनिवर्सिटी के सभी विभागों में उससे होशियार कोई विद्यार्थी नहीं था। विद्यार्थियों के लिए वह एक मिसाल थी। उसके व्यक्तित्व में सुन्दर होने के साथ एक अनोखा आकर्षण था। पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के दौरान ही उसके सहपाठी समर के प्यार ने उसकी ज़िंदगी में दस्तक दे दी थी। समय के साथ एक दूसरे के प्यार की उन पर ऐसी दीवानगी हावी थी कि वे जब भी मिलते तो दुनिया की बातों से बेखबर एक दूसरे में ही खोए रहते थे। इस प्यार के पवित्र रिश्ते में दोनों को अपनी सीमाएं पता थीं। उन्होने अपने भविष्य को लेकर साथ में कई सपने संजोये थे। दोनों आपस में विवाह के बंधन में बंधना चाहते थे। उनके परवान चढ़ते हुए प्यार की आहट दोनों के परिवार वालों तक नहीं पहुंची थी। उनके करीबी दोस्तों को जरुर इसका पता था। समर एक मध्यम वर्गीय परिवार की इकलौती संतान था। उसके पिता सरकारी कर्मचारी थे। यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी होने के बाद उषा के परिवार वाले उसके लिए एक सुयोग्य वर की तलाश में लग गए थे। यह जानकर उषा और समर दोनों दोनों बेहद परेशान और चिंतित हो गए। क्योंकि वो दोनों जानते थे कि परिवार वाले उनके इस विजातीय रिश्ते को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। यह जानते हुए भी दोनों किसी भी सूरत में एक दूसरे को खोना नहीं चाहते थे। समर और उषा को इन हालात को देखकर समझ नहीं आ रहा था कि कैसे और क्या किया जाए ? आखिरकार समर ने बहुत सोच समझकर एक योजना बनाई । लेकिन उन्हे नहीं पता था कि यह योजना उन दोनों की ज़िंदगी में प्यार को और सुकून को छीन लेगी।

इस योजना के अनुसार उषा को अपने घर से भागकर यह शहर छोड़कर ट्रेन से आगरा जाना था। वहां उषा अपनी घनिष्ठ मित्र नेहा के यहां ठहरती । इस दौरान समर यहां होने वाले हर घटनाक्रम और उषा के घर से भागने पर उसके परिवार की प्रतिक्रिया पर निगाह रखता । और दूसरे दिन आगरा पहुंचकर उससे विवाह कर लेता। इससे यहां शहर में किसी को शक भी नहीं होता कि वो दोनों साथ में कहीं भाग गए । विवाह के कुछ समय बाद उन दोनों के शहर लौट आने के बाद उनके परिवार वाले उन्हे स्वीकार कर ही लेते। उन्हे बहुत सोच समझकर इस योजना को अंजाम तक पहुंचाना था।

तयशुदा प्लान के अनुसार एक दिन उषा बिना किसी को कुछ बताए अपना घर छोड़कर आगरा रवाना हो गई। यहां घटनाक्रम पर नजर रखे हुए समर को एक दिन बाद जाना था। आगरा पहुंचकर वह अपनी मित्र नेहा के घर चली गई। नेहा और उसके परिवार वाले उससे मिलकर बहुत खुश हुए। लेकिन उषा का समर से इस तरह विवाह करने के प्लान से नेहा खुश नहीं थी। उषा के आगरा पहुंचने के कई दिन बीतने के बाद भी समर न तो वहां पहुंचा और न ही किसी तरह से सम्पर्क किया। समर के न आने से वह हैरान और परेशान थी। उसके जीवन में मानो भूचाल आ गया था। उसके लिए सारा मंजर ही बदल गया था। उसे लगने लगा कि समर के साथ भविष्य के संजोये सपनों के चिराग एक साथ बुझ गए थे। उसे अपने चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा नजर आने लगा था।शहर में उसके कारण परिवार वालों के लिए बनी शर्मिंदगी की स्थिति का उसे अंदाजा था। वह शहर वापिस नहीं लौट सकती थी। गुजरते समय के साथ उस तनाव भरे दौर में जीवन को नए सिरे से जीने की चुनौती उसके सामने आ गई थी। उसके लिए उन कठिन परिस्थितियों में नेहा के परिवार वालों ने उसका पूरा सहयोग किया। उनके सहयोग से उसे एक कॉलेज में लेक्चरर की नौकरी मिल गई थी। कुछ समय बाद उसका ट्रांसफर लखनऊ ट्रांसफर हो गया था । वह अपने मन में प्यार के लिए नफरत के बाद कभी – कभी कड़वी लगने वाली ज़िंदगी गुजार रही थी। उसे आगे भी अपनी ज़िंदगी प्यार में मिली टीस और तड़प के साथ बितानी थी। उसे अपने किए कर्मों की सजा मिल रही थी। वह इन कर्मों से अपने पर और परिवार पर लगे कलंक को नहीं मिटा सकती थी। उसके परिवार वालों ने उससे सभी तरह के संबंध तोड़ दिए थे। उनके लिए वह मर चुकी थी। समय हमेशा एक सी रफ्तार से नहीं चलता। अपने जुनून और आंखों में मंजिल को पाने का नामुमकिन सा उसका ख्वाब किसी हद तक पूरा हो गया था। जिस राह पर वह निकल पड़ी थी उस पर चलते हुए वह यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी विषय की विभागाध्यक्ष थी।

अपने कमरे की डोरबेल सुनकर वह वर्तमान में लौटी। दरवाजे पर रुम बॉय उसके रात के खाने का पूछने आया था। रात को खाना खाकर वह जल्दी सो गई। दूसरे दिन इंटरव्यू दोपहर तक ही थे। बाद में शाम वाली ट्रेन से उसे वापिस जाना था। दूसरे दिन अपना काम पूरा होने के बाद वह रेस्ट हाउस लौट आई थी। खाना खाने के बाद अपने कमरे में लेटते ही उसकी आंख लग गई जोकि कमरे में रखे फोन की घन्टी सुनकर खुली। फोन पर रिसेप्शनिस्ट ने पूछा मैडम , मिस्टर एस के शर्मा आपसे मिलना चाहते हैं। क्या मैं उन्हे आपके कमरे में जाने के लिए इजाजत दे सकता हूं ? उसने बिना जाने कि वह व्यक्ति कौन था अनिच्छा से हां कह दिया और अपने कपड़े बदलने लगी। डोरबेल बजने पर उसने दरवाजा खोला। बाहर अजनबी सा लगने वाला एक व्यक्ति खड़ा था। उसने उस अजनबी को कमरे के अंदर आने का कहते हुए सोफे पर बैठने के लिए इशारा किया। कुछ समय की खामोशी के बाद उसने अजनबी से वहां आने और उससे मिलने का उद्देश्य पूछा। उस दुबले पतले व्यक्ति के चेहरे की झुर्रियों को पूरी सफेद हो चुकी दाढ़ी ने ढक रखा था। वह कुछ कहना चाह रहा था पर कह नहीं पा रहा था। उसका गला रुंध गया था। अजनबी ने अपना चश्मा उतारा तो उषा ने देखा कि उसकी आंखों से आंसू टपकने लगे थे। जब अजनबी रोने लगा तो उषा के मन में आशंकाओं ने जन्म लेना शुरु कर दिया था कि वह व्यक्ति कौन था उससे क्या चाहता था ? उषा ने अजनबी को शांत हो जाने के लिए कहा और पानी का गिलास उसकी ओर बढाया।

पानी पीने के कुछ देर बाद हिम्मत जुटाकर अजनबी ने कहा शायद तुमने मुझे पहचाना नहीं ? तुमने अच्छा ही किया मुझे नहीं पहचानकर। मैं इस लायक नहीं कि कोई मुझसे किसी तरह की पहचान या रिश्ता रखे। मैं तुम्हारा गुनहगार हूं। तुम जो सजा देना चाहो मुझे दे सकती हो। परन्तु तुम इतने वर्षों से कहां थीं ? मैंने तुमको कहां – कहां नहीं ढूंढा , तुम्हारा कहीं पता नहीं चला। तुम कह सकती हो कि मैं एक खुदगर्ज़ इंसान हूं। परन्तु ऐसा नहीं है। मुझे आज भी याद है कि तुम्हारे आगरा चले जाने के बाद तुम्हारे परिवार वाले सरगर्मी से तुम्हारी तलाश में लगे थे। तुम्हारी सहेलियों से भी पूछताछ की गई। उन्हे संदेह होने पर धमकाया और उनके खिलाफ पुलिस को रिपोर्ट लिखवाने की बात कही। यह सभी घटनाएं जानकर मैं घबरा गया और कुछ दिन बाद आगरा जाने की सोचने लगा। डर के मारे तुमसे सम्पर्क भी नहीं कर सका।

पानी पीने के कुछ देर बाद हिम्मत जुटाकर अजनबी ने कहा शायद तुमने मुझे पहचाना नहीं ? तुमने अच्छा ही किया मुझे नहीं पहचानकर। मैं इस लायक नहीं कि कोई मुझसे किसी तरह की पहचान या रिश्ता रखे। मैं तुम्हारा गुनहगार हूं। तुम जो सजा देना चाहो मुझे दे सकती हो। परन्तु तुम इतने वर्षों से कहां थीं ? मैंने तुमको कहां - कहां नहीं ढूंढा , तुम्हारा कहीं पता नहीं चला। तुम कह सकती हो कि मैं एक खुदगर्ज़ इंसान हूं। परन्तु ऐसा नहीं है। मुझे आज भी याद है कि तुम्हारे आगरा चले जाने के बाद तुम्हारे परिवार वाले सरगर्मी से तुम्हारी तलाश में लगे थे। तुम्हारी सहेलियों से भी पूछताछ की गई। उन्हे संदेह होने पर धमकाया और उनके खिलाफ पुलिस को रिपोर्ट लिखवाने की बात कही। यह सभी घटनाएं जानकर मैं घबरा गया और कुछ दिन बाद आगरा जाने की सोचने लगा। डर के मारे तुमसे सम्पर्क भी नहीं कर सका।

तुम्हारे यहां से जाने के चार या पांच दिन बाद तुम्हारी एक सहेली ने हमारे संबंध के बारे में तुम्हारे परिवार वालों को बता दिया। मेरे से सम्पर्क करने के बाद भी मैंने उन्हे कुछ नहीं बताया ।अपने सम्पर्कों को काम में लेते हुए तुम्हारे परिवार वालों ने गुंडों से मेरी कई बार जमकर पिटाई करवाई। मैं बिना रोए चिल्लाए बुत बना रहा । जब तक भय की बेड़ियों की जकड़न से मुक्त होकर अपने को संभाल पाता तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आगरा जाकर नेहा से मिलने पर भी उसने तुम्हारे बारे में मुझे कुछ भी बताने के लिए साफ इनकार कर दिया। मैं जानता था कि तुम थीं लेकिन मुझसे बहुत दूर जा चुकी थीं। मैं आज भी उस मोड़ पर अकेला खड़ा हूं जिस मोड़ पर तुमसे बिछड़ गया था। आज भी मुझे तुम्हारा इंतज़ार है और हमेशा रहेगा। मेरा जीवन एक कोरे कैनवास की तरह है। तुम जैसे चाहो अपने प्यार की कूची से रंग सकती हो। समय और हालात के हाथों हमारे मृत प्राय प्यार को तुम सांसें देकर जीवित कर सकती हो । उम्र के साथ स्मृति पटल धुंधला पड़ सकता है । लेकिन मिटाने की लाख कोशिशों के बाद भी उस पर प्यार की इबारत बनी रहती है।

मैं आज भी यह सोचता हूं कि उस दिन मेरे मन में डर नहीं बैठता और मैं ट्रेन पकड़ लेता तो हमारा जीवन कितना सुन्दर होता। मैं यहां स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन में एक उच्च अधिकारी हूं। इस कारण मुझे मिस उषा गुप्ता के सब्जेक्ट एक्सपर्ट के रुप में आने का पता चला । फिर तुम्हे कल ऑफिस के कॉरिडोर में देखते ही मैं पहचान भी गया था। इसी यकीन के साथ कि तुम मिस उषा गुप्ता मेरी वाली ही हो मैं यहां चला आया। ..... इससे पहले की समर आगे कुछ कहता उषा ने उसे चुप हो जाने का इशारा किया। वह टकटकी लगाकर समर का चेहरा देख रही थी। यह वही समर था जिसकी कायरता से उसने अपनी ज़िंदगी तबाह कर ली। उषा की आंखों की खामोशी बिना बोले उसकी सारी कहानी बयां कर रही थी। समर से मिलकर उषा के भीतर प्यार के प्रति नफरत की आंच फिर से सुलगने लगी थी। भले ही समय और उम्र के साथ उसकी तपिश थोड़ी कम हो गई थी। उसके दिल और दिमाग में भावनाओं का टकराव उभर आया था। जबकि इस टकराव का कोई समाधान नहीं था। समर उसे अतीत की घटनाएं याद दिला रहा था। वह जानती थी कि बीते हुए लम्हों को फिर से जीवित करने से कुछ नहीं होना था। पुरानी यादें पुनर्जीवित नहीं हो सकती थीं। उषा के दिल में समर के साथ बिताया प्यार का कोई पल दिल के किसी कोने में भी जीवित नहीं था। उनके प्यार के रिश्ते की राख में अब कोई चिंगारी नहीं बची थी जो फिर से आग भड़का सके। समर ने उषा की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर विश्वास तोड़ा था।

अचानक उषा जोर से हंसने लगी। हंसते – हंसते उसकी आंखों से आंसू छलक गए। अपने को सामान्य करने के बाद एक गहरी सांस लेकर उषा ने कहा उम्र के इस पड़ाव तक अकेले आकर मैंने जीवन के हर पक्ष को वैभव के साथ देखते हुए तन्हाई के चरम को छुआ है। प्यार से कोसों दूर रहते हुए अपने उच्च आदर्शों और चरित्र के सहारे मैंने आज यह मुकाम अकेले हासिल किया है। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि कभी मुझे मेरा अतीत आवाज देगा और मेरे सामने आकर खड़ा हो जाएगा। मेरा अतीत मर चुका है। मेरी दुनिया बदल चुकी है। तुम जिसे इतने साल तलाश करने और नहीं मिलने पर पीछे छुटा हुआ समझ रहे थे वह बहुत आगे निकल चुकी है।

समय का रथ अपनी रफ्तार से सबको पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ता रहता है। समय की इस रफ्तार में इंसान की संवेदनाएं भी कभी – कभी कुचल जाती हैं या मर जाती हैं। समय को किसी का कोई अफसोस नहीं होता। जीवन में समस्याएं हर मार्ग पर आती हैं परन्तु के एक समाधान के साथ आती हैं। समस्या पर दृष्टि पड़ते ही हम घबरा जाते हैं। और समाधान पर हमारी नजर ही नहीं पड़ती। क्योंकि हमें खुद पर विश्वास ही नहीं होता कि हम समस्या का मुकाबला कर सकते हैं। वैसे भी जो चीज मेरे हाथ से निकल गई उसके बारे में मैं नहीं सोचती। मैं अपनी तन्हाई के साथ खुश हूं। मैं मानती हूं कि जो खो गया वो मेरा अपना नहीं था। मेरी तन्हाई मेरी अपनी है जो खो नहीं सकती। समर , तुम अपनी कायरता के कारण हुए नुकसान को कभी नहीं भर पाओगे। तुम्हारे प्यार में दर्द का अहसास मुझे ताउम्र रहेगा। यह कहकर उषा अपना सामान बांधने लगी। कमरे में बहुत देर सन्नाटा पसरा रहने के बाद समर बिना बोले वहां से चला गया। ठंड और कोहरा होने के कारण स्टेशन पहुंचते ही उषा अपने डिब्बे में जाकर बैठ गई थी। उसने देखा कि डिब्बे से थोड़ी दूरी पर समर खड़ा था। धीरे – धीरे कोहरा घना होकर धुंध का पहाड़ बनने लगा था। ट्रेन रवाना होते ही उषा ने दरवाजे पर आकर बाहर देखा तो धुंध में उसे समर कहीं नजर नहीं आ रहा था।

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

साधो देखो जग बौराना

यूँ कहें तो कबीर याने फक्कड़ फ़कीर, यूँ समझें तो कबीर याने दुनिया भर का अमी। वस्तुत: कबीर को समझने के लिए पहले आवश्यक है यह समझना कि वस्तुतः हमें किसे समझना है। पाँच सौ साल पहले निर्वाण पाए एक व्यक्ति को या कबीर होने की प्रक्रिया को? दहन किये गए या दफ़्न किये गए या विलुप्त हो गये दैहिक कबीर को पाँच सदी की लम्बी अवधि बीत गई। अलबत्ता आत्मिक कबीर को समझने के लिए यह समयावधि बहुत कम है। प्रश्न तो यह भी है कि कबीर को क्यों समझें हम? छोटे मनुष्य की छोटी सोच है कि कबीर से हमें क्या हासिल होगा? कबीर क्या देगा हमें? कबीर जयंती पर इस प्रश्न का स्वार्थ अधिक गहरा जाता है।

कबीर को समझने में सबसे बड़ा ऑब्सटेकल या बाधा है कबीर से कुछ पाने की उम्मीद। कबीर भौतिक रूप से कुछ नहीं देगा बल्कि जो है तुम्हारे पास, उसे भी छीन लेगा। पाने नहीं छोड़ने के लिए तैयार हो तो कबीर आत्मिक रूप से तुम्हें मालामाल कर देगा। आत्मिक रूप से मालामाल कर देने का एक अर्थ कबीर का ज्ञानी, पंडित, आचार्य, मौलाना, फादर या प्रीस्ट होना भी है। इन सारी धारणाओं का खंडन खुद कबीर ने किया, यह कहकर,

मसि कागद छूयौ नहिं, कलम नहिं गहि हाथ।

कबीर दीक्षित है, शिक्षित नहीं।

कबीर अंगूठाछाप है। ऐसा निरक्षर जिसके पास अक्षर का अकूत भंडार है। कबीर कुछ सिखाता नहीं। अनसीखे में बसी सीख, अनगढ़ में छुपे शिल्प को देखने-समझने की आँख है कबी। हासिल होना कबीर होना नहीं है, हासिल को तजना कबीर है। भरना पाखंड है, रीत जाना आनंद है। पाना रश्क है, खोना इश्क है,

हमन से इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या रहे।

आज़ाद या जग से, हमन को दुनिया से यारी क्या।

और जब इश्क या प्रेम हो जाए तो अनसीखा आत्मिक पांडित्य तो जगेगा ही,

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।

ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।

कबीर सहज उपलब्ध है। कबीर होने के लिए, उसकी संगत काफी है। ओशो ने सहक्रमिकता के सिद्धांत या लॉ ऑफ सिंक्रोनिसिटी का उल्लेख कबीर के संदर्भ में किया है। किसी वाद्य के दो नग मंगाये जाएँ। कमरे के किसी कोने में एक रख दिया जाए। दूसरे को संगीत में डूबा हुआ संगीतज्ञ (ध्यान रहे, 'डूबा हुआ' कहा है, 'सीखा हुआ' नहीं) बजाए। सिंक्रोनिसिटी के प्रभाव से कोने में रखा वाद्य भी कसमसाने लगता है। उसके तार अपने आप कसने लगते हैं और वही धुन स्पंदित होने लगती है।

कबीर का सान्निध्य भीतर के वाद्य को स्पंदित करता है। भीतर का स्पंदन मनुष्य में मानुषता का सोया भाव जाग्रत कर देता है। जाग्रत अवस्था का मनुष्य, सच्चा मनुष्य हो जाता है और बरबस कह उठता है,

साँची कहौ तो मारन धावै झूँठे जग पतियाना।

साधो, देखो जग बौराना।

बोध कथा

मेंढकराज और नाग

एक कुएं में बहुत से मेंढक रहते थे। उनके राजा का नाम था गंगदत्त। गंगदत्त बहुत झगड़ालू स्वभाव का था। आसपास दो-तीन और भी कुएं थे। उनमें भी मेंढक रहते थे। हर कुएं के मेंढकों का अपना राजा था। हर राजा से किसी न किसी बात पर गंगदत्त का झगड़ा चलता ही रहता था। वह अपनी मूर्खता से कोई गलत काम करने लगता और बुद्धिमान मेंढक रोकने की कोशिश करता तो मौका मिलते ही अपने पाले गुंडे मेंढकों से पिटवा देता। कुएं के मेंढकों के भीतर गंगदत्त के प्रति रोष बढ़ता जा रहा था। घर में भी झगड़ों से चैन न था। अपनी हर मुसीबत के लिए दोष देता। एक दिन गंगदत्त पड़ोसी मेंढक राजा से खूब झगड़ा। खूब तू-तू, मैं-मैं हुई। गंगदत्त ने अपने कुएं में आकर बताया कि पड़ोसी राजा ने उसका अपमान किया है। अपमान का बदला लेने के लिए उसने अपने मेंढकों को आदेश दिया कि पड़ोसी कुएं पर हमला करें सब जानते थे कि झगड़ा गंगदत्त ने ही शुरू किया होगा।

कुछ सयाने मेंढकों तथा बुद्धिमानों ने एकजुट होकर एक स्वर में कहा, 'राजन, पड़ोसी कुएं में हमसे दुगने मेंढक हैं। वे स्वस्थ व हमसे अधिक ताकतवर हैं। हम यह लड़ाई नहीं लड़ेंगे।' गंगदत्त सन्न रह गया और बुरी तरह तिलमिला गया। मन ही मन उसने ठान ली कि इन गद्दारों को भी सबक सिखाना होगा। गंगदत्त ने अपने बेटों को बुलाकर भड़काया, 'बेटा, पड़ोसी राजा ने तुम्हारे पिताश्री का घोर अपमान किया है। जाओ, पड़ोसी राजा के बेटों की ऐसी पिटाई करो कि वे पानी मांगने लग जाएं।'

गंगदत्त के बेटे एक-दूसरे का मुंह देखने लगे। आखिर बड़े बेटे ने कहा, 'पिताश्री, आपने कभी हमें टर्राने की इजाजत नहीं दी। टर्राने से ही मेंढकों में बल आता है, हौसला आता है और जोश आता है। आप ही बताइए कि बिना हौसले और जोश के हम किसी की क्या पिटाई कर पाएंगे?' अब गंगदत्त सबसे चिढ़ गया। एक दिन वह कुढ़ता और बड़बड़ाता कुएं से बाहर निकल इधर-उधर घूमने लगा। उसे एक भयंकर नाग पास ही बने अपने बिल में घुसता नजर आया। उसकी आंखें चमकीं। जब अपने दुश्मन बन गए हों तो दुश्मन को अपना बनाना चाहिए। यह सोच वह बिल के पास जाकर बोला, 'नागदेव, मेरा प्रणाम।' नागदेव फुफकारा, 'अरे मेंढक मैं तुम्हारा बैरी हूं। तुम्हें खा जाता हूं और तू मेरे बिल के आगे आकर मुझे आवाज दे रहा है।

गंगदत्त टर्राया, 'हे नाग, कभी-कभी शत्रुओं से ज्यादा अपने दुख देने लगते हैं। मेरा अपनी जाति वालों और सगों ने इतना घोर अपमान किया है कि उन्हें सबक सिखाने के लिए मुझे तुम जैसे शत्रु के पास सहायता मांगने आना पड़ा है। तुम मेरी दोस्ती स्वीकार करो और मजे करो।' नाग ने बिल से अपना सिर बाहर निकाला और बोला, 'मजे, कैसे मजे?' गंगदत्त ने कहा, 'मैं तुम्हें इतने मेंढक खिलाऊंगा कि तुम मोटाते-मोटाते अजगर बन जाओगे।' नाग ने शंका व्यक्त की, 'पानी में मैं जा नहीं सकता। कैसे पकड़ूंगा मेंढक?'

गंगदत्त ने ताली बजाई, 'नाग भाई, यहीं तो मेरी दोस्ती तुम्हारे काम आएगी। मैंने पड़ोसी राजाओं के कुओं पर नजर रखने के लिए अपने जासूस मेंढकों से गुप्त सुरंगें खुदवा रखीं हैं। हर कुएं तक उनका रास्ता जाता है। सुरंगें जहां मिलती हैं, वहां एक कक्ष है। तुम वहां रहना और जिस-जिस मेंढक को खाने के लिए कहूं, उन्हें खाते जाना।' नाग गंगदत्त से दोस्ती के लिए तैयार हो गया। क्योंकि उसमें उसका लाभ ही लाभ था। एक मूर्ख बदले की भावना में अंधे होकर अपनों को दुश्मन के पेट के हवाले करने को तैयार हो तो दुश्मन क्यों न इसका लाभ उठाए? नाग गंगदत्त के साथ सुरंग कक्ष में जाकर बैठ गया। गंगदत्त ने पहले सारे पड़ोसी मेंढक राजाओं और उनकी प्रजाओं को खाने के लिए कहा। नाग कुछ सप्ताहों में सारे दूसरे कुओं के मेंढकों को सुरंगों के रास्ते जा-जाकर खा गया। जब सब समाप्त हो गए तो नाग गंगदत्त से बोला, 'अब किसे खाऊं? जल्दी बता। चौबीस घंटे पेट फुल रखने की आदत पड़ गई है।' गंगदत्त ने कहा, 'अब मेरे कुएं के सभी सयाने और बुद्धिमान मेंढकों को खाओ।' वह खाए जा चुके तो प्रजा की बारी आई। गंगदत्त ने सोचा, 'प्रजा की ऐसी की तैसी। हर समय कुछ न कुछ शिकायत करती रहती है। उनको खाने के बाद नाग ने खाना मांगा तो गंगदत्त बोला, 'नाग मित्र, अब केवल मेरा कुनबा और मेरे मित्र बचे हैं। खेल खत्म और मेंढक हजम।'

वीर गाथा

कैप्टन दविंदर सिंह जस: जख्मों के बावजूद बने साथियों का सहारा, बलिदान से कायम की मिसाल

कैप्टन दविंदर सिंह जस का जन्म 29 सितंबर, 1983 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में दलबीर कौर और भूपिंदर सिंह के घर में हुआ था। उन्होंने मथुरा से कंप्यूटर साइंस में बीटेक करने के बाद साल 2005 में एमबीए में दाखिला लिया था। उन्हें एक बड़ी कंपनी में नौकरी मिल गई थी। उसी दौरान सेना भर्ती की परीक्षा दी और भारतीय सैन्य अकादमी के लिए चुन लिए गए। दविंदर सिंह को दिसंबर 2007 में सिग्नल कोर में कमीशन मिला था। उन्हें जनवरी 2009 में 1 पैराशूट रेजिमेंट में शामिल कर लिया गया। उन्हें नवंबर 2009 में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात किया गया। वे विभिन्न सैन्य अभियानों में भाग लेते रहे।

कैप्टन दविंदर सिंह को जम्मू-कश्मीर के सोपोर जिले में ऑपरेशन के दौरान अल्फा टीम की टुकड़ी का नेतृत्व सौंपा गया था। 23 फरवरी, 2010 को विश्वस्त सूत्रों से खुफिया सूचना मिलने के बाद दविंदर सिंह ऐसे इलाके में जा रहे थे, जहां आतंकवादियों के छिपे होने का शक था। उस इलाके में काफी भीड़ थी। कैप्टन दविंदर सिंह और साथी जवानों के लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही आतंकवादियों ने उन पर भारी गोलीबारी कर दी थी। इससे कई जवान घायल हो गए थे।दविंदर सिंह ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक घायल जवान को सुरक्षित निकाला। इसके बाद वे रेंगते हुए आगे बढ़े और दूसरे जवान को भी बाहर निकाला। इस दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने आतंकवादियों से मुकाबला जारी रखा और उनमें से एक के काफी करीब पहुंच गए। आखिरकार उन्होंने उस आतंकवादी को मार गिराया। वे दूसरे आतंकवादी का खात्मा करने के लिए आगे बढ़े, लेकिन वहीं शहीद हो गए। कैप्टन दविंदर सिंह जस ने वीरता, नेतृत्व, साहस और बलिदान की जो मिसाल पेश की, वह अद्भुत है। हम उनसे सदैव प्रेरणा लेते रहेंगे। उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

खुशी

जबलपुर में मध्य प्रदेश चिकित्सा विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्राप्त करने के बाद खुशी मनाते छात्र।

भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग को आकार दे रहे जर्मनी से आए 'शिव और शक्ति'

नई दिल्ली/भाषा। हिमालय में सबसे चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक, उत्तराखंड में निर्माणाधीन भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग को जर्मनी में बनी सुरंग खोदने वाली मशीनें 'शिव और शक्ति' आकार दे रही हैं। इन मशीनों का नाम हिंदू देवताओं के नाम पर शिव और शक्ति रखा गया है – जो 'देवभूमि' कहे जाने वाले राज्य की आध्यात्मिक विरासत से प्रेरित है।

देवप्रयाग-जनसू जुड़वां सुरंगें हैं जो एक दूसरे से 25 मीटर की दूरी पर समानांतर चलती हैं। करीब 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल संपर्क परियोजना की 14.57 किलोमीटर लंबी सुरंगों में से एक सुरंग को 16 अप्रैल को सफलतापूर्वक पूरा किया गया था, जिसकी खुदाई 'शक्ति' नामक सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) द्वारा की गई। निर्माण स्थल पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि टीबीएम 'शिव' से इस वर्ष जून में दूसरी सुरंग का काम भी पूरा होने की उम्मीद है।

परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि पर्वतीय रेल परियोजना में पहली बार टीबीएम के उपयोग के लिए न केवल वृहद पैमाने पर कोशिश बल्कि विस्तृत योजना की भी आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि इसके साथ दैवीय कृपा की भी जरूरत थी और इस संदर्भ में टीबीएम का नाम देवताओं के नाम पर रखना परियोजना की सफलता के लिए उनके आशीर्वादों को प्राप्त करने का एक तरीका था।

सुरंग का निर्माण करने वाली अवसंरचना कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों को साझा करते हुए पहले कहा था कि ऐसे क्षण भी आए जब ऐसा लगा कि सुरंग ढह जाएगी और पूरी परियोजना खतरे में पड़ जाएगी, लेकिन फिर उनके सावधानीपूर्वक प्रयासों और काम से इसे बचा लिया गया।

निर्माण विशेषज्ञों ने कहा कि सुरंग खोदने वाली मशीन का नामकरण सभी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में एक सामान्य प्रथा है। उन्होंने कहा कि अक्सर, इसको लेकर बहुत मंथन किया जाता है ताकि नाम परियोजना के कामकाजी माहौल के साथ अच्छी तरह से मेल खा सके। हिंदू धर्म में भगवान शिव को सर्वशक्तिमान देवता के रूप में पूजा जाता है और शक्ति को शिव की पत्नी पार्वती के रूप में माना जाता है जिन्हें मातृ शक्ति का प्रतीक माना जाता है। एक निर्माण विशेषज्ञ ने बिना कोई कारण बताए कहा, सुरंग खोदने वाली मशीनों का नाम अलग-अलग पुरुष और महिला के नाम पर रखना काफी दुर्लभ है। आमतौर पर, टीबीएम को पारंपरिक रूप से महिला नाम दिए जाते हैं। एलएंडटी के अधिकारियों ने बताया कि जर्मन कंपनी हेरेनक्नेच एजी को दो टीबीएम का ऑर्डर देते समय इन मशीन को नाम देने को लेकर काफी मंथन किया

अदालती लड़ाई हारने के बाद प्रिंस हैरी गृह मंत्री के समक्ष सुरक्षा का मामला उठाएंगे

लंदन/भाषा। प्रिंस हैरी ने कहा है कि वह ब्रिटेन की गृह मंत्री यवेट कूपर को पत्र लिखकर अपनी पत्नी मेगन मार्कल और बच्चों आर्ची और लिलीबेट के लिए देश में रहने के दौरान उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी अपनी चिंताओं से अवगत कराएंगे।महाराजा चार्ल्स तृतीय के 40 वर्षीय छोटे बेटे हैरी शुक्रवार को इस मुद्दे पर लंदन की अपीलीय अदालत में अपनी लड़ाई हार चुके हैं। लेकिन उन्होंने 'ब्रिटिश ब्रॉडकॉस्टिंग कॉर्पोरेशन' (बीबीसी) को दिए गए एक साक्षात्कार में आरोप लगाते हुए इसे 'सत्ता प्रतिष्ठान की साजिश' करार दिया था।

अमेरिका में रहने वाले ड्यूक ऑफ ससेक्स (हैरी) अब शाही दायित्वों से मुक्त हैं। हैरी ने खुलासा किया कि उन्होंने कानूनी विवादों और अपनी पत्नी और बच्चों की सुरक्षा के डर के कारण अपने पिता से बात नहीं की है।

हैरी ने अपने खिलाफ अदालत के फैसले के बाद एक बयान में कहा, यह प्रक्रिया हमेशा मेरी और मेरे परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में रही है, जब हम ब्रिटेन में होते हैं, ताकि हम उसी स्तर की सुरक्षा के साथ अपने गृह देश की यात्रा कर सकें, जिसे अन्य सरकारें हमारी सुरक्षा के लिए आवश्यक मानती हैं। उन्होंने कहा कि अदालत का फैसला इस बात की पुष्टि करता है कि राजघराने के लोगों और सार्वजनिक हस्तियों की सुरक्षा के लिए कार्यकारी समिति उनके लिए अपनी अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन करने में विफल रही है, जो अन्य सभी उच्च-जोखिम वाले लोगों और दिग्गज हस्तियों पर लागू होती है।

इस कार्यकारी समिति को आरएवीईसी के रूप में जाना जाता है जिसमें 'रॉयल हाउसहोल्ड, गृह कार्यालय और मेट्रोपॉलिटन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर अपनी गहरी चिंता के मद्देनजर मैं गृह मंत्री को पत्र लिखकर उनसे मामले की तत्काल जांच करने और आरएवीईसी प्रक्रिया की समीक्षा करने के लिए कहूंगा।बकिंघम पैलेस ने विस्तार से जवाब नहीं दिया है, लेकिन एक बयान जारी कर संकेत दिया है कि ड्यूक की सुरक्षा का मामला एक बंद हो चुका विषय है।राजमहल के एक बयान में कहा गया है, इन सभी मुद्दों की अदालतों द्वारा बार-बार और सावधानीपूर्वक जांच की गई है, और हर बार एक ही निष्कर्ष पर पहुंचा गया है।कानूनी लड़ाई को 'अंतिम उपाय' बताते हुए हैरी (जो ब्रिटिश सिंहासन पर पहुंचने के लिहाज से पांचवें स्थान पर हैं) ने अपने पिता के संपर्क में नहीं होने पर अपनी पीड़ा व्यक्त की और अपने बीबीसी साक्षात्कार के माध्यम से 'सुलह' की अपील की। उन्होंने कहा, मेरे और मेरे परिवार के कुछ लोगों के बीच बहुत मतभेद रहे हैं... मैं अपने परिवार के साथ सुलह करना चाहूंगा। अब और लड़ाई जारी रखने का कोई मतलब नहीं है, जीवन अनमोल है। मुझे नहीं पता कि मेरे पिता के पास और कितना समय है, वह इस सुरक्षा संबंधी चीजों के कारण मुझसे बात नहीं करेंगे। सुलह करना अच्छा रहेगा।

ब्रिटेन के 76 वर्षीय महाराजा के कैंसर के इलाज के दौरान उनके स्वास्थ्य के बारे में अटकलों को हवा देने के लिए हैरी की कड़ी आलोचना की गई है।

दिवंगत महारानी और हैरी की दादी की पूर्व प्रेस सचिव ऐल्सा एंडरसन ने 'स्काई न्यूज' से कहा, प्रिंस हैरी कह रहे हैं कि 'मुझे नहीं पता कि मेरे पिता कितने समय तक जीवित रहेंगे'- यह बयान मीडिया और आम जनता में उनके उपचार को लेकर वास्तविक चिंता व अधिक अटकलों का कारण बनेगा, जो आगे चलकर अविश्वसनीय रूप से अनुपयोगी साबित होगा।

राजनाथ सिंह रूस की 'विक्टरी डे परेड' में नहीं होंगे शामिल, रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ लेंगे भाग

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रूस द्वारा नौ मई को मॉस्को में आयोजित 'विक्टरी डे परेड' में शामिल नहीं होंगे और उनके स्थान पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ वहां भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मॉस्को में नौ मई को आयोजित वाले समारोह में रक्षा राज्य मंत्री सेठ को भेजने का कदम पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव मद्देनजर उठाया गया है। रूस ने द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर सोवियत विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'विक्टरी डे परेड' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया था, लेकिन यह निर्णय लिया गया कि सिंह इसमें शिरकत करेंगे। सूत्रों ने बताया कि सेठ परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।रूस ने इस वर्ष 'विक्टरी डे परेड' में भाग लेने के लिए कई मित्र देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले वर्ष राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्षिक शिखर सम्मेलन और कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो बार रूस गए थे। इस वर्ष रूसी राष्ट्रपति के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शिरकत के लिए भारत आने की उम्मीद है।

'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन के साथ जुड़ी मौनी रॉय

मुंबई/एजेन्सी

मौनी रॉय बड़े पर्दे पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं, और इस बार वह डेविड धवन की रंग-बिरंगी और जोरदार कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा बन रही हैं। अपनी दमदार अदाकारी और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाने वाली मौनी, दिग्गज निर्देशक द्वारा निर्देशित नवीनतम कॉमिक कैपर 'है जवानी तो इश्क होना है' के कलाकारों में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म रमेश तौरानी के ढ्खझड बैनर तले बन रही है, जिसमें वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन की एक और शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी। इस फिल्म में मौनी रॉय के साथ-साथ मृणाल ठाकुर, चंकी पांडे, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी और अली असगर जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं। जहां वरुण फिल्म के लीड में हैं, वहीं मौनी अपनी खास अदाओं और चार्म से कहानी को एक नया अंदाज़ देने वाली हैं।

हाल ही में मौनी रॉय शूटिंग के लिए ग्लासगो रवाना हुईं, जहां वह एक महीने के लंबे शेड्यूल के लिए टीम में शामिल हुई हैं। वह लगातार अपनी शांति भरी वर्क ट्रिप की झलकियाँ सोशल मीडिया पर साझा कर रही हैं। मृणाल ठाकुर और वरुण धवन के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, बहुत खुशी हुई फिलहाल मौनी 'द भूतनी' में मोहब्बत की अपनी भूमिका के लिए खूब तारीफें बटोर रहीं, 'है जवानी तो इश्क होना है' में एक अहम भूमिका में नज़र आएंगी, जिसमें उनका एक बिल्कुल नया अवतार देखने को मिलेगा। इस फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद मौनी अपनी अगली फिल्म सलाहकार की तैयारी में जुट जाएंगी, जो ख़ुदा हाफ़िज़ के निर्देशक फारूक कबीर के साथ 2025 में रिलीज़ होने वाली है।

एआई फिल्म निर्माताओं के लिए रचनात्मकता और स्टोरीटेलिंग के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण : हिरानी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्मकार राजकुमार हिरानी ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) फिल्म निर्माताओं के लिए रचनात्मकता और स्टोरीटेलिंग के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में शुक्रवार को आयोजित विश्व श्रृव्य दृश्य विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 में दुनिया भर में दिलों को छूने वाली कहानियाँ पर पैनल चर्चा की गयी। इस चर्चा में नेशनल जियोग्राफ़िक सोसाइटी में मुख्य स्टोरीटेलिंग अधिकारी कैटलिन यार्नल, द वॉल्ट डिज़्नी कंपनी में ईवीपी और कॉर्पोरेट विकास प्रमुख जस्टिन वारब्रुक, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो में अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष केली डे, बीबीसी स्टूडियो एशिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक फिल हार्डमैन, भारत के सबसे प्रसिद्ध फिल्म निर्देशकों में से एक राजकुमार हिरानी, और मॉडरेटर के रूप में बेस्टसेलिंग लेखक और राजनयिक अमीश त्रिपाठी शामिल रहे।

इस सत्र में वैश्विक मीडिया, मनोरंजन और साहित्यिक परिदृश्यों से दूरदर्शी प्रमुखों और मास्टर स्टोरीटेलर को कहानी कहने क्षमता का पता लगाने के लिए एक साथ लाया गया। स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म और प्रसारण दिग्गजों से लेकर सिनेमा और साहित्य तक, पैनलिस्टों ने इस बारे में अंतर्दृष्टि साझा की कि कैसे आकर्षक कथायें सीमाओं को पार कर सकती हैं, संस्कृतियों को आकार दे सकती हैं और दुनिया भर के लोगों को जोड़ सकती हैं। चर्चा में वैश्विक कहानी कहने को प्रेरित करने वाली रणनीतिक, रचनात्मक और भावात्मक शक्ति और धारणाओं, संस्कृतियों और सामाजिक परिवर्तन पर इसके गहन प्रभाव के बारे में बताया गया। देश के सबसे उम्दा फिल्म निर्देशकों में से एक राजकुमार हिरानी भावनात्मक रूप से शक्तिशाली और सामाजिक रूप से प्रभावशाली फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, जो भारत और दुनिया भर में दर्शकों को पसंद आती हैं। चर्चा में, उन्होंने बताया कि कहानी सुनाना स्वाभाविक रूप से व्यक्तिपरक है, जो व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होता है। उन्होंने एआई की क्षमता पर कहा कि ये फिल्म निर्माताओं के लिए रचनात्मकता और स्टोरीटेलिंग के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

जीवन मूलतः संघर्षों और चुनौतियों की यात्रा : तरूण खन्ना

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के शो वीर हनुमान में भगवान महादेव की भूमिका निभा रहे अभिनेता तरुण खन्ना का कहना है कि जीवन मूलतः संघर्षों, और चुनौतियों की यात्रा है। सोनी सब का पौराणिक धारावाहिक 'वीर हनुमान' युवा मारुति की एक जिज्ञासु बालक से महाबली दिव्य योद्धा बनने की प्रेरणादायक कथा के तौर पर अद्भुत यात्रा को दर्शाते हुए दर्शकों का दिल जीत रहा है। आगामी एपिसोड्स में, शनि देव (ऋषभ पवार) एक निर्णायक मोड़ पर हनुमानजी के जीवन में प्रवेश करते हैं। जब हनुमान अपने आराध्य की पहचान को जानने का प्रयास कर रहे होते हैं, तो जटायू (भीमराज मलाजी) की दिव्य बुद्धि और आकाशीय संकेतों के माध्यम से मार्गदर्शन प्राप्त होता है। इसी क्रम में, भगवान महादेव (तरुण खन्ना) शनि देव को भेजते हैं, जिससे वे हनुमान को धर्म के मार्ग की ओर प्रेरित कर सकें। हनुमान जब पाँच आध्यात्मिक चरणों को पार करने की तैयारी करते हैं, तब शनि देव की छाया किष्किंधा पर पड़ती है, जिससे अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना होता है। दूसरी ओर, बाली भगवान हनुमान से श्रेष्ठ बनने की योजना बना रहा है और राज्य में शक्ति प्रदर्शन की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऐसे में हनुमान की आस्था, शक्ति और भाग्य की परीक्षा होने वाली है।

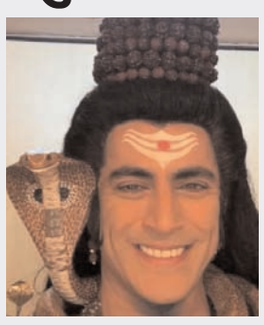

वीर हनुमान में भगवान महादेव की भूमिका निभा रहे अभिनेता तरुण खन्ना ने कहा, जीवन मूलतः संघर्षों, चुनौतियों और संदेह के क्षणों की यात्रा है। मैंने स्वयं भी ऐसे कई क्षणों का सामना किया है जब बाधाएं असहनीय लगती थीं। मुझे विश्वास है कि हनुमानजी की यात्रा इसी सत्य को दर्शाती है। जैसे हर व्यक्ति को जीवन में किसी अर्थपूर्ण उपलब्धि तक पहुँचने के लिए संघर्षों से गुजरना पड़ता है, वैसे ही हनुमानजी को भी अनुशासन, बलिदान और परीक्षाओं के मार्ग से गुजरना होता है। महादेव सम्पूर्ण चित्र देखते हैं, इसलिए वे शनि देव को भेजते हैं। न कि हनुमानजी को रोकने के लिए, बल्कि उनकी भक्ति को परखने और उन्हें और अधिक मजबूत बनाने के लिए। यह एक स्मरण है कि महानता की राह कभी आसान नहीं होती, लेकिन वह सदा सार्थक होती है। वीर हनुमान सोमवार से शनिवार, शाम 7:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

'वेरी पारिवारिक' सीज़न 2 का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

द वायरल फीवर (टीवीएफ)अपने पहले वीकली डेली शो 'वेरी पारिवारिक' के दूसरे सीज़न के साथ वापसी कर रहा है, जिसका टीजर रिलीज हो गया है। 'वेरी पारिवारिक' के पहले सीज़न को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला था, और अब मेकर्स ने टीज़र रिलीज़ कर दिया है, जो एक बार फिर हँसी, हलचल और इमोशन्स से भरी इस पारिवारिक जर्नी की झलक दिखाता है। 'वेरी पारिवारिक' का पहला सीज़न 2024 में आया था और इसमें एक ऐसे कपल की कहानी दिखाई गई थी, जिसमें पति आईटी में काम करता है और पत्नी फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखती है।

कहानी में असली धमाल तब शुरू होता है जब दोनों के पैरेंट्स उनके साथ रहने आ जाते हैं। फिर जो होता है, वो है जेनरेशन गैप की टकराहट, घर के अंदर बाहर की उठापटक और बहुत सारा हास्य, जो हर एपिसोड को दिलचस्प बना देता है।

अब जब सीज़न 2 आने ही वाला है, तो टीज़र देखकर लग रहा है कि इस बार कहानी में और भी ज्यादा मस्ती, इमोशन और रिलेट करने वाली होगी। मेकर्स यही वादा कर रहे हैं कि इस बार शो में नई उलझनें, और भी तेज़ तर्रार लिखाई और फैमिली ड्रामें का तगड़ा तड़का देखने को मिलेगा। ऐसे में अब सबकी नज़रें 6 मई को आने वाले ट्रेलर पर टिकी हैं।

'कानखजूरा' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सोनी लिव ने अपने आगामी थ्रिलर कानखजूरा का टीज़र रिलीज़ कर दिया है। 'कानखजूरा' गोवा की रहस्यमयी शांतियों में बसी एक खौफ़नाक कहानी है, जहाँ सन्नाटा भी धोखा देता है और जो सतह पर दिखता है, असलियत उससे कहीं ज़्यादा घातक होती है। 'कानखजूरा' इजराइल की समीक्षकों द्वारा सराही गई सीरीज़ मैगपी का प्रभावशाली हिंदी रूपांतरण है, जिसे भारतीय संवेदना और भावनात्मकता के साथ गढ़ा गया है। यह एक ऐसी दुनिया की झलक दिखाता है जहाँ अपराधबोध पीछा नहीं छोड़ता, रहस्य दबे नहीं रहते और अतीत किसी दिन लौटकर हिसाब ज़रूर मांगता है। जब दो जुदा हुए भाई अपने सबसे काले अतीत से रू-ब-रू होते हैं, तो याद और हक़ीक़त के बीच की लकीर धुंधला जाती है।

'कानखजूरा' में इसमें आशु की भूमिका निभा रहे रोशन मैथ्यू ने बताया, कानखजूरा में मुझे सबसे ज़्यादा आकर्षित किया इसकी भावनात्मक गहराई ने और उस खामोशी ने, जो हलचल के नीचे बह रही है। आशु एक बेहद जटिल किरदार है। बाहर से नाज़ुक, लेकिन भीतर एक शांत तूफ़ान समाए हुए। यह कहानी भावुक भी है और असहज भी हर रिश्ता कहीं न कहीं टूटा हुआ है, और किरदारों का उन कमज़ोरियों से जूझना इसे बेहद दिलचस्प बनाता है।

चंदन अरोड़ा द्वारा निर्देशित और अजय राय द्वारा निर्मित इस सीरीज़ में शानदार कलाकारों की टीम है। इनने मोहित रैना, रोशन मैथ्यू, सारा जेन डियास, महेश शेट्टी, निनाद कामत, त्रिनेत्रा हलदर, हीबा शाह और ऊषा नाडकर्णी शामिल है। यह सीरीज़ मैगपी पर आधारित है, जिसे यस स्टूडियोज़ से मिले लाइसेंस के तहत भारत में रूपांतरित किया गया है। मूल कहानी के रचनाकार एडम बिजान्स्की, ओमरी शेनहार और डाना एडेन हैं जबकि प्रोडक्शन डोना एंड शूला प्रोडक्शंस का है। कानखजूरा की स्ट्रीमिंग 30 मई से सिर्फ़ सोनी लिव पर शुरू होगी।

'हाउसफुल 5' का नया गाना 'लाल परी' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की सबसे पॉपुलर फ्रेंचाइजी फिल्म 'हाउसफुल 5' के फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना 'लाल परी' रिलीज कर दिया है। रिलीज के महज तीन घंटे में ही गाने को 1.3 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। यह गाना टी-सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। 'लाल परी' गाने को सिमर कौर और यो यो हनी सिंह ने गाया है, जबकि कोरियोग्राफ रेमो डिसूजा ने किया है। इस गाने में हनी सिंह और अक्षय कुमार की जोड़ी फिर से साथ में आई है। बता दें कि ये दोनों पहले भी कई हिट गाने दे चुके हैं, जिसमें 'पार्टी ऑल नाइट', 'कुड़ी चमकीली', 'बॉस' जैसे गाने शामिल हैं। जारी किए जाने के महज तीन घंटों के भीतर ही व्यूज ही नहीं बढ़े बल्कि यूट्यूब की म्यूजिक कैटेगरी में ये चौथे नंबर पर ट्रेंड कर रहा है।

रिलीज किए गए गाने में सभी मुख्य कलाकार क्रूज पर नाचते-उछलते देखे जा सकते हैं। इसमें पूरा स्टारकास्ट नजर आ रहा है। संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और अक्षय कुमार भी एक फ्रेम में देखे जा सकते हैं। फिल्म में कॉमेडी का तड़का भरपूर होगा इसकी झलक भी गाना दे जाता है। यो यो हनी सिंह के अंदाज को बखूबी गाना बयां करता है। टी-सीरीज ने इंस्टाग्राम पर ट्रैक शेयर करते हुए कैप्शन दिया, उथल-पुथल से भरा हाउसफुल, रहस्य का एक छींटा और अब... लाल परी का एक शॉट! लाल परी गाना आउट! हाउसफुल 5 आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 6 जून 2025 को रिलीज होगी! मेकर्स जिस रहस्य और रोमांच की झलक फिल्म के टीजर में मिली थी।

टीजर की शुरुआत में एक क्रूज समंदर के बीच चलता नजर आता है। इस पर फिल्म की पूरी स्टारकास्ट सवार है। क्रूज पर म्यूजिक बजता है, तभी अक्षय कुमार की एंट्री होती है और उनके बाद चंकी पांडे, जॉनी लीवर, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, निकितेन धीर, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर को दिखाया जाता है। अचानक झूमर के ऊपर से एक लाश आकर गिरती है। मर्डर करने वाला हत्यारा मास्क पहने नजर आता है। कौन है ये हत्यारा? इस पर सस्पेंस है। बता दें कि अक्षय कुमार और रितेश देशमुख शुरू से ही इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। बाकी कलाकार बाद में जुड़ते गए। 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की पहली कॉमेडी फिल्म साल 2010 में आई थी। दो साल बाद 'हाउसफुल 2' आई। इन दोनों फिल्मों को साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। 2016 में 'हाउसफुल 3' रिलीज हुई, जिसे साजिद और फरहाद ने निर्देशित किया। 2019 में 'हाउसफुल 4' पर्दे पर रिलीज हुई। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया। अब 'हाउसफुल 5' का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 04-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है । हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

मौन मोमबत्ती मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर में फ्रेंडस ऑफ ट्राइबल्स की महिला विंग की अध्यक्ष कविता माहेश्वरी के नेतृत्व में पहलगाम में मारे गए हिन्दुओं को श्रद्धांजलि देते हुए मौन मोमबत्ती मार्च निकाला गया। इस मौके पर कविता माहेश्वरी पहलगाम में निर्दोष हिन्दुओं के मारे जाने का विरोध किया और उन्होंने सभी को एक जुट होने की बात कही। इस मौके पर एकल एफटीएस कोयंबटूर के संस्थापक अध्यक्ष श्रीगोपाल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष मुरुली, राजस्थानी संघ के अध्यक्ष गौतम श्रीश्रीमाल, युवा महिला परिषद के गिरिराज फोमरा सहित अनेक सभा संस्थाओं से प्रमुख गणमान्य उपस्थित थे।

दिलीप मेहता जोन चेयरमैन बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन व अंतराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी ने चेन्नई मेट्रो के सचिव दिलीप मेहता को महावीर इंटरनेशनल तमिलनाडु केरल जोन का जोन चेयरमैन नियुक्त किया।

अग्रोहा कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा का शहर में हुआ स्वागत

सामाजिक एकता व प्रचार के उद्देश्य से आयोजित है यह यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन व अग्रोहा की कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा समाज एकता व प्रचार के उद्देश्य से पूरे भारत में भ्रमण कर रही है। उसी श्रृंखला में इस यात्रा का शुक्रवार को बेंगलूरु में आगमन हुआ ।

अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा रथ यात्रा का जयनगर महाराजा अग्रसेन भवन पर स्वागत किया गया। सर्वप्रथम समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, उपाध्यक्ष ललित गुप्ता, संजय तायल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी सहित अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष जय प्रकाश गुप्ता, सचिव सुरेश कुमार मोदी, महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल ने विधिवत पूजा कर रथ में विराजित महाराजा अग्रसेन व माता महालक्ष्मी की आरती की। इस अवसर पर मुरारी लाल सरावगी, बिपिन राम अग्रवाल, रतन लाल सिंघल, मदन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे।पदाधिकारियों के बाद अन्य सदस्यों ने कुलदेवी का पूजन किया। इसके बाद अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, राष्ट्रीय मंत्री चांदमल अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एमपी गोयल, नरेश बंसल, एसके मित्तल का अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने कहा कि यह हम समाज बंधुओं का सौभाग्य है कि पूरे भारतवर्ष में भ्रमण करने वाली महालक्ष्मी रथ यात्रा बेंगलूरु पहुंची और हमें दर्शन का लाभ मिला। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गोपाल शरण गर्ग ने कहा कि सेवा कार्यों के साथ साथ व्यापार के क्षेत्र में भी अग्रवाल समाज अग्रणी है। उन्होंने कहा कि हमें अग्रवाल समाज पर गर्व है कि आज तक अग्रवाल समाज में कभी कोई धर्म परिवर्तन नहीं हुआ है।

अनेक राष्ट्रीय व स्थानीय पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि हम सभी को अपने अपने शहर में महाराजा अग्रसेन की कथा अवश्य करानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को हमारे अग्र कुल की व वंशजों की जानकारी मिल सके। समाज के सचिव सतीश गोयल ने धन्यवाद दिया।

‘हमें यह मनुष्य जीवन आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए मिला है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में विराजित मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्यश्री मनीषप्रभसागरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हम हमारे जीवन से क्रोध को तो शांत कर सकते हैं लेकिन लोभ को शांत करना बहुत मुश्किल है। हमारा मन लोभ के वशीभूत होकर दौड़ता रहता है। हम क्रोध, मान, माया और लोभ इन चार कषायों में उलझकर हमारी आत्मा को भटकाते हैं। जो हमारे पास है उसका भोग करने के बजाय जो हमारे पास नहीं है हमारा मन उसी के पीछे भागता रहता है। लोभ के कारण ही हमारा मन अशान्त रहता है। संतश्री ने कहा कि हमारे मन को हमें सीमा में रखना है। हमें संयम में हमारी आत्मा को लाना है। हमारा मन हमारी प्रशंसा-प्रसिद्धि के लिए भी लालायित रहता है। यह भी एक तरह का लोभ है। प्रशंसा और प्रसिद्धि हमारे अहंकार और मान को पुष्ट करता है। हमारे आत्मा के भविष्य और अगले भव के बारे में हमें चिंता करनी है। यह संसार हमारी आत्मा के लिए एक प्रवास है लेकिन हम इसको हमारा निवास मान बैठे हैं। सम्यक दर्शन, ज्ञान और चिंतन के बिना हमारी आत्मा का उद्धार मुश्किल है। हमें आत्मगुणों को प्राप्त करने के लिए कषायों को छोड़ना होगा। हमें यह मनुष्य जीवन आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए मिला है। हम संसार में रहें लेकिन संसार हमारे अन्दर नहीं बसना चाहिए।

डॉ. समकित मुनि को डॉ. दिलीप धींग ने साहित्य भेंट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने 3 मई को यहां बर्किट रोड, टी. नगर स्थित जैन स्थानक में डॉ. समकित मुनि के दर्शन वंदन का लाभ लिया और उन्हें अपना गद्य-पद्य में लिखित हिंदी साहित्य समर्पित किया। मुनिश्री ने कहा कि वे डॉ. धींग के चिंतनपरक आलेख व रचनाएँ पढ़ते और खूब पसंद करते हैं। डॉ. धींग का क्षयोपशम बहुत अच्छा है। जैन आगमों में बौद्धिक निर्मलता और वैचारिक प्रखरता के लिए 'क्षयोपशम' शब्द का प्रयोग होता है। ज्ञानावरणीय कर्म के क्षय और उपशम से मिलकर यह शब्द बना है। डॉ. धींग ने कहा कि समाज में अकादमिक और साहित्यिक चेतना जगाई जानी चाहिए। इसके लिए संतों की प्रेरणा फलदायी बन सकती है। मुनिश्री ने सहमति जताई। इस अवसर पर जयवंत मुनि, भवांत मुनि, श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ, मांबलम के अध्यक्ष डॉ. एम. उत्तमचंद गोठी, कवि पारस जे. नाहर, श्री सुमति विशाल जैन डायलिसिस केन्द्र के गौतम कटारिया एवं श्रावक श्राविकाएँ उपस्थिति थे।

भारत के साथ रक्षा समझौता संसद में पेश किया जाएगा : दिसानायके

कोलंबो/भाषा। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने कहा है कि भारत के साथ रक्षा समझौता जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। दिसानायके विपक्ष की इस आलोचना का जवाब दे रहे थे कि उनकी नेशनल पीपुल्स पॉवर (एनपीपी) सरकार ने भारत के साथ एक गुप्त रक्षा समझौता किया था, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 से 6 अप्रैल तक श्रीलंका की यात्रा पर थे और वह मांग कर रहा है कि समझौता ज्ञापन का खुलासा किया जाए।

दिसानायके ने शुक्रवार रात एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान कहा, वे झूठी कहानियां गढ़ रहे हैं। देशों के बीच समझौते हैं, वे दोनों पक्षों के लिए खुले हैं। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। समझौते के एक खंड में यह कहा गया है।

दिसानायके ने श्रीलंका की इस रुख को सुनिश्चित किया था कि उसकी धरती का उपयोग किसी भी भारत विरोधी गतिविधि के लिए नहीं होने दिया जाएगा, जिससे उसके पड़ोसी की राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़े। मोदी ने अपने संबोधन में इस रुख के लिए दिसानायके को धन्यवाद दिया था।

धनखड़ ने संसद को सर्वोच्च बताया है, यह बात विधानसभाओं के लिए भी लागू होती है : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी कि ''संसद सर्वोच्च'' है, विधानसभाओं के लिए भी लागू होती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्यपाल विधिवत निर्वाचित सरकारों की भूमिका निभा सकते हैं। तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल आरएन रवि मामले में 10 विधेयकों को रोकने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के आठ अप्रैल के फैसले के आलोक में उपराष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए स्टालिन ने कहा कि जहां तक राज्यों का संबंध है, विधानसभाएं सर्वोच्च हैं, न कि राज्यपाल, जो अस्थायी रूप से इस

पद पर आसीन होने वाले महज ''रबर स्टांप'' हैं।

स्टालिन ने यहां शिक्षाविदों और छात्रों द्वारा आयोजित एक समारोह में कहा, उपराष्ट्रपति ने कहा है कि संसद सर्वोच्च है। हम भी यही कहते हैं। क्या राज्यपाल विधानसभा से अधिक सर्वोच्च हैं? मैं पूछना चाहता हूं कि अगर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की शक्तियां अपने हाथ में ले लें, तो क्या वह (प्रधानमंत्री) चुप रहेंगे?

स्टालिन ने पूछा, छात्रों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि अगर केंद्र के प्रतिनिधि, अस्थायी पद पर बैठे राज्यपाल, विधेयकों को रोक सकते हैं, तो विधिवत निर्वाचित सरकार का क्या महत्व है? आखिर चुनाव कराने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा, यह कैसे उचित है कि राज्यपाल राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को नामित कर सकते हैं? इसलिए मैं अदालत गया था। न्यायाधीशों ने स्पष्ट निर्णय दिया और कुछ वर्षों से लंबित मामले का निपटारा किया। उन्होंने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के वास्ते समय सीमा तय की है।

स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल के साथ उनकी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है और उनके साथ वैचारिक मतभेदों के बावजूद, वह सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहते हैं।

ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही तीन वर्षीय लड़की ने जैन प्रथा 'संथारा' से त्यागे प्राण, विश्व रिकॉर्ड दर्ज

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही तीन वर्षीय लड़की को ''संथारा'' व्रत ग्रहण कराए जाने का मामला सामने आया है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस लड़की के नाम विश्व कीर्तिमान का प्रमाण पत्र भी जारी किया है।

'संथारा' जैन धर्म की प्राचीन प्रथा है जिसके तहत कोई व्यक्ति अपने अंतिम समय का आभास होने पर मृत्यु का वरण करने के लिए अन्न-जल और सांसारिक वस्तुएं त्याग देता है।

लड़की के माता-पिता सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के पेशेवर हैं और उनका कहना है कि उन्होंने एक जैन मुनि की प्रेरणा से अपनी इकलौती संतान को संथारा व्रत दिलाने का फैसला किया।

इस व्रत से तीन वर्ष की उम्र में प्राण त्यागने वाली लड़की वियाना जैन के पिता पीयूष जैन ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मेरी बेटी को इस साल जनवरी में ब्रेन ट्यूमर होने का पता चला था। हमने उसकी सर्जरी कराई थी। सर्जरी के बाद उसकी सेहत में सुधार हुआ, लेकिन मार्च में उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और उसे खाने-पीने में भी दिक्कत होने लगी थी।

उन्होंने बताया कि 21 मार्च की रात वह अपनी बेहद बीमार बेटी को परिजनों के साथ जैन संत राजेश मुनि महाराज के पास दर्शन के लिए ले गए थे।

जैन ने बताया, महाराज जी ने मेरी बेटी की हालत देखी। उन्होंने हमसे कहा कि बच्ची का अंतिम समय नजदीक है और उसे संथारा व्रत दिला देना चाहिए। जैन धर्म में इस व्रत का काफी महत्व है। हम सोच-विचार के बाद इसके लिए राजी हो गए। उन्होंने बताया कि जैन संत द्वारा संथारा के धार्मिक विधि-विधान पूरे कराए जाने के चंद मिनटों के भीतर उनकी बेटी ने प्राण त्याग दिए।

आईटी पेशेवर ने यह भी बताया कि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उनकी बेटी के नाम विश्व कीर्तिमान का प्रमाण पत्र जारी किया है जिसमें उसे ''जैन विधि-विधान के मुताबिक संथारा व्रत ग्रहण करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की शख्स'' बताया गया है।

वियाना अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। उसकी मां वर्षा जैन ने कहा, मैं शब्दों में नहीं बता सकती कि मेरी बेटी को संथारा व्रत ग्रहण कराने का फैसला हमारे परिवार के लिए कितना मुश्किल था। मेरी बेटी ब्रेन ट्यूमर के कारण काफी तकलीफ झेल रही थी। उसे इस हालत में देखना मेरे लिए बेहद पीड़ादायी था।

गुरु की शक्ति हर कार्य को सफल और फलदायी बनाती है : साध्वीश्री पावनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने राजाजीनगर से शांतिनगर तक विहार किया और एक श्रद्धालु के निवास पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु की शक्ति ऐसी दिव्य होती है कि वह हमारे हर कार्य को सफल, सार्थक और फलदायी बना देती है। जीवन में चाहे कितनी ही कठिन परिस्थितियाँ क्यों न हों, यदि गुरु कृपा साथ हो, तो पथ स्वतः ही प्रशस्त होता चला जाता है। साध्वीश्री ने कहा कि बेंगलूरु के उपनगरों में उनका जो सतत प्रवास चल रहा है, वह केवल और केवल आचार्यश्री की अनंत कृपा का परिणाम है। यह यात्रा आत्मा की उन्नति, साधना की गहराई और संघ की सेवा के लिए समर्पित है, जिससे श्रावक समाज की सार-संभाल की जा सकती है। इस अवसर पर सभी साध्वियों ने गुरु समर्पित गीत का गान किया।विहार सेवा में तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर से उपाध्यक्ष मनीष भंसाली, रोहित कोठारी, तरुण पटावरी, मुकेश सुराणा विकास डूंगरवाल सहित राजाजीनगर व हनुमंतनगर युवाओं ने भाग लिया। शांतिनगर पदार्पण पर तेयुप गांधीनगर के परामर्शक जितेंद्र घोषल ने साध्वीश्री का भावभीना स्वागत करते हुए कहा कि गुरु केवल पथदर्शक नहीं, बल्कि जीवन को दिव्यता से भरने वाले साक्षात ऊर्जा स्रोत हैं।

स्वास्थ्य शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कृष्णानंदनगर की कन्नड़ सेना कर्नाटक द्वारा शनिवार को निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें फोर्टिस हॉस्पिटल, वासन आई केयर क्लिनिक एवं अन्य चिकित्सकों ने अपनी अपनी सेवाएं दी। इस शिविर में सैकड़ों जरूरतमंद लोग लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर के अध्यक्ष गौतम दक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राजराजेश्वरीनगर में विराजित मुनि डॉ पुलकितकुमारजी के दर्शन एवं सेवा का लाभ लिया। मुनिश्री को हनुमंतनगर में चल रही गतिविधियों की जानकारी प्रदान की तथा हनुमंतनगर भवन में लम्बे प्रवास करने के लिए निवेदन किया गया। मुनिश्री ने हनुमंतनगर में प्रवास हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, मंत्री हेमराज मांडोत, गौतम बोल्या, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश झाबक आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.